www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –111 I भोपाल, बुधवार, 23 अप्रैल 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

डायल नंबर, अस्पताल की लेटलतीफी से घायल की चली गयी जान — पृष्ठ 2

न्यायपालिका को सरकार की बांदी बनाने की मुहिम
बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक मंथन — पृष्ठ 4

महिलाएं आत्मनिर्भर होकर हर क्षेत्र में आ रही आगे: मेवाड़ा — पृष्ठ 6

कांग्रेस को मजबूत करने सभी को जुटना होगा : चौधरी — पृष्ठ 8

सार-समाचार

जेद्दा पहुंचे मोदी हुआ भव्य स्वागत

जेद्दा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए जेद्दा पहुंचे, इस दौरान उनका स्वागत 21 तोपों की सलामी के साथ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री एचआरएच प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ देश की अपनी यात्रा के दौरान भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी नेताओं की बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को

वेटिकन सिटी, एजेंसी। दुनिया भर के कैथोलिक ईसाइयों के धर्म गुरु पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को किया जाएगा। 'होली सी' ने मंगलवार को आधिकारिक घोषणा की। 'होली सी' कैथोलिक चर्च की केंद्रीय शासी निकाय है। यह वेटिकन सिटी में स्थित है और पोप के अधीन कार्य करती है। इस पर चर्च के प्रशासन, अनुशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जिम्मेदारी होती है। शनिवार, 26 अप्रैल 2025 को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10:00 बजे, सेंट पीटर बेसिलिका के सामने पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

ईडी मुझे बुलाएगी तो मैं भी जाने को तैयार : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने नेशनल हेराल्ड और पति रॉबर्ट वाड्रा को मिले ईडी के समन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मेरे पति रॉबर्ट वाड्रा ईडी के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। अगर बुलाया गया तो मैं जाने के लिए तैयार हूं।

कश्मीर में आतंकवादियों की कायराना करतूत

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला, अंधाधुंध गोलीबारी में 27 की मौत

- लश्कर-ए-तैयबा ने ली हमले की जिम्मेदारी
- मरने वालों में 2 विदेशी भी शामिल

जम्मू, देशबन्धु। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम के पास बैसरन में पर्यटकों पर हुए घातक आतंकी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मंगलवार सुबह हुए इस हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है, जिसके बाद अधिकारियों ने स्थिति को संभालने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं।

प्राप्त होने वाले गैर सरकारी समाचारों के अनुसार हमले में 27 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे, जिनमें से अधिकतर गैर-स्थानीय थे। मृतकों में एक की पहचान शैलिंदर कल्पिया के तौर पर हुई है। जबकि हमले में घायल हुए 20 के करीब अन्य लोग गुजरात, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सेना की वर्दी में आए थे आतंकी

जहां हमला हुआ, वहां पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। आतंकियों ने इसी का फायदा उठाया। वे सैन्य वर्दी में आए और पर्यटकों से परिचय-पत्र मांगना शुरू कर दिया। इसके बाद जो भी पर्यटक हिंदू थे, उन्हें आतंकियों ने गोलियां मारनी शुरू कर दीं। हमले की सूचना मिलने और मौके पर पहुंचने में सुरक्षा बलों को 30 मिनट का समय लगा। आतंकी इस दौरान पहाड़ियों की तरफ भाग गए। उनके मारे जाने या पकड़े जाने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। बताया जा रहा है पहलगाम से 10 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में दोपहर को दहशत फैल गई। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मोदी ने अमित शाह से फोन पर की बात

घटना को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब से गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए इसे निर्दोष नागरिकों पर कायरतापूर्ण हमला बताया। उन्होंने गृह मंत्री को घटना से निपटने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मोदी ने न्याय की आवश्यकता और क्षेत्र में सार्वजनिक सुरक्षा की बहाली पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री से बातचीत के बाद शाह श्रीनगर पहुंचें। वे यहां अफसरों के साथ हाईलेवल बैठक करेंगे। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी से बातचीत करके हालातों की जानकारी ली। सुरक्षाबलों ने पहलगाम में हमले वाले इलाके को घेर रखा है। हेलिकॉप्टर के जरिए इलाके पर नजर रखी जा रही है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकवादी हमला चौंकाने वाला और दर्दनाक है। यह एक नृशंस और अमानवीय कृत्य है जिसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। निर्दोष नागरिकों, इस मामले में पर्यटकों पर हमला करना बेहद भयावह और अक्षम्य है : **द्रौपदी मुर्मू,** राष्ट्रपति

इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है तथा यह और भी मजबूत होगा। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं : **नरेन्द्र मोदी** : प्रधानमंत्री

मैं अविश्वसनीय रूप से स्तब्ध हूं। हमारे आगंतुकों पर यह हमला एक घृणित कार्य है। इस हमले के अपराधी जानवर, अमानवीय और घृणा के पात्र हैं। निंदा के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है : **उमर अब्दुल्ला,** मुख्यमंत्री जम्मू-कश्मीर

सिविल सेवा परीक्षा में बेटियों ने मारी बाजी

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने हासिल किया पहला स्थान

हर्षिता गोयल दूसरे व अर्चित तीसरे स्थान पर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा 2024 के फाइनल परीणाम में इस बार भी देश की बेटियों ने बाजी मारी है। टॉप पांच में तीन लड़कियों ने अपनी जगह पक्की की है। इस बार भी पिछले सालों की तरह ही बेटियों की मेहनत, संघर्ष और दृढ़ निश्चय की जो ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शीर्ष 25 उम्मीदवारों में 11 महिलाएं व 14 पुरुष शामिल

संघ लोक सेवा आयोग के अनुसार शीर्ष 25 उम्मीदवारों में 11 महिलाएं व 14 पुरुष शामिल हैं। शीर्ष 25 सफल उम्मीदवारों ने लिखित (मुख्य) परीक्षा में मानव विज्ञान, वाणिज्य और लेखा, भूगोल, गणित, दर्शनशास्त्र, भौतिकी, राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र और तमिल भाषा के साहित्य सहित कई वैकल्पिक विषयों का चयन किया है। अनुशंसित उम्मीदवारों में बेंचमार्क विकलांगता वाले 45 व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनमें 12 अस्थि विकलांग, 8 दृष्टिबाधित, 16 श्रवण बाधित और 9 बहु विकलांगता वाले व्यक्ति शामिल हैं।

ग्वालियर की आयुषी ने हासिल की 27वीं रैंक

भोपाल, देशबन्धु। सिविल सेवा परीक्षा में मध्य प्रदेश के कई छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी है। ग्वालियर की आशुषी बंसल ने सातवीं रैंक हासिल कर कमाल कर दिया है। वहीं, रीवा के रोमिल द्विवेदी को 27वीं और मंदसौर के ऋषभ चौधरी को 28वीं रैंक मिली है। भोपाल के क्षितिज आदित्य शर्मा को 58वीं और इंदौर के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रीवा के रोमिल और मंदसौर के ऋषभ ने भी किया कमाल

8 साल की बालिका का पत्थर से मुंह कुचला, मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के बड़ा मलहारा थाना क्षेत्र में एक 8 साल की बालिका से छेड़छाड़ कर उसे गंभीर रूप से लहूलुहान कर दिया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई है। घटना को लेकर परिजनों में आक्रोश है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया गया है बालिका घर से कुछ दूर एक खेत में बालिका खेल रही थी। तभी मंडी के पास रहने वाले बलराम यादव ने वहां आकर बालिका को पकड़ा और उससे मारपीट शुरु कर दी, बुरी नीयत से उसके साथ छेड़छाड़ की। इस दौरान बच्ची ने चीख पुकार की तो आरोपी ने उसके मुंह पर पत्थर से वार कर दिया और भाग खड़ा हुआ। इस जानलेवा हमले से बच्ची बेहद डरी-सहमी हालत में मिली। बच्ची के चेहरे, कान के पीछे के हिस्से में गहरी चोटें आई हैं, परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां देर रात उसकी मौत हो गई।

एम्बुलेंस बिगड़ी, मोटरसाइकिल से लेकर पहुंचे अस्पताल

गंभीर रूप से घायल बालिका को पिता एम्बुलेंस से छतरपुर ले जा रहे थे तभी रास्ते में एंबुलेंस खराब हो गई। बेटी को गोद में लिए पिता ने एम्बुलेंस से नीचे उतरकर एक मोटर साइकिल सवार को रोका और उसके साथ जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उसका उपचार किया गया, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

ममता बनर्जी मई के पहले सप्ताह में मुर्शिदाबाद का दौरा करेंगी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वह मुर्शिदाबाद की हालात का आकलन करने के लिए मई के पहले सप्ताह में वहां का दौरा करेंगी। मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा, 'हिंसा दो वार्डों में हुई और कुछ स्थानीय व्यक्तियों के समर्थन से कुछ बाहरी लोगों द्वारा भड़काई गई। हम जिम्मेदार लोगों की पहचान करेंगे और उन्हें बेनकाब करेंगे।' पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गोलतोर में 125 मेगावाट के सौर फोटोवोल्टिक संयंत्र का उद्घाटन करने के लिए आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने हिंसा में जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए 10 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

विमान दुर्घटनाग्रस्त, प्रशिक्षु पायलट की मौत

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अमरेली में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कुल दो लोग मौजूद थे। विमान उड़ा रहे पायलट की दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक निजी विमानन अकादमी का प्रशिक्षण विमान मंगलवार दोपहर गुजरात के अमरेली जिले के एक रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हादसे में एक प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई। बताया गया कि विमान एक पेड़ से टकराकर जमीन पर जा गिरा। अमरेली के पुलिस अधीक्षक संजय खराट ने बताया कि विमान दोपहर करीब 12:30 बजे अमरेली शहर के गिरिया रोड इलाके में एक रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे प्रशिक्षु पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है। खराट ने कहा कि अमरेली हवाई अड्डे से एक पुरुष प्रशिक्षु पायलट के साथ उड़ान भरने के बाद हवाई अड्डे से संचालित होने वाली एक विमानन अकादमी का प्रशिक्षक विमान एक रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अकेले उड़ान भर रहे प्रशिक्षु पायलट की दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि विमान जलकर खाक हो गया। दुर्घटना में कोई और घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट रहा था परिवार

बोलेरो खाई में गिरी, 5 बहनों सहित 8 की मौत

दमोह, देशबन्धु। दमोह जिले में एक बोलेरो के खाई में गिरने से 5 बहनों सहित 8 की मौत हो गई। मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल थे, जिनमें एक की उम्र 8 और दूसरे की दस साल थी। घटना बनवार चौकी क्षेत्र में महादेव घाट के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई।

पुलिस के अनुसार जबलपुर जिले का परिवार बांदकपुर से जागेश्वर धाम के दर्शन करने के बाद लौट रहा था। उसी समय बनवार चौकी क्षेत्र में महादेव घाट के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे के समय वाहन में 15 यात्री सवार थे, इनमें से 6 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 बच्चों ने दमोह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दमोह ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह जिले में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के 8 नागरिकों के असामयिक निधन पर गहन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दुर्घटना दुखदायी है। इस मुश्किल घड़ी में राज्य सरकार शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। राज्य सरकार की ओर से इस दुर्घटना में मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रूपए एवं घायलों को 50-50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

मोहन मंत्रिपरिषद ने लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

प्रदेश में 1 मई से होंगे तबादले, अगली बैठक में आएगी तबादला नीति

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले 1 से 31 मई तक होंगे। इस संबंध में तबादला नीति को अगली मंत्रिपरिषद की बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रिपरिषद की बैठक में अपने संबोधन में कहा कि तबादला प्रक्रिया विभागीय नीति और नियमों के अनुरूप संचालित की जाएगी, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठक में सरकार ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में संशोधन किया है। इसके तहत न्यूनतम 11 और अधिकतम 2 सौ जोड़ों का ही विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। अब प्रति कन्या 55 हजार रुपए की राशि में से 49 हजार रुपए सीधे अकाउंट पेयी चेक के माध्यम से दिए जाएंगे। शेष 6 हजार रुपए आयोजन की व्यवस्था के लिए स्थानीय निकाय को दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में दी उपलब्धियों की जानकारी, दिए निर्देश

पेयजल आपूर्ति में न रहे कोई कमी

- 50.18 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुआ गेंहू उपार्जन
- चीतों के सफल पुनर्वास पर मिल रही वैश्विक सराहना

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों से कहा है कि बढ़ती गर्मी के मद्देनजर वे प्रदेश के सभी अंचलों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वे अपने प्रभार के जिलों और अपने गृह जिले में भी पेयजल की आवश्यकतानुसार समुचित आपूर्ति के लिए स्वस्फूर्त प्रयास करें। पीने के पानी की आपूर्ति बाधित न हो। किसी को भी पेयजल के लिए कठिनाई न होने पाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ग्वालियर में बनेगा देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन, 5 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है। निवेशकों द्वारा सहमति देने पर ग्वालियर में जल्द ही टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की स्थापना की जाएगी। इसके लिए हम केंद्रीय दूरसंचार मंत्रालय को हर जरूरी सहयोग प्रदान करेंगे। इस प्रयोजन के लिए पहले चरण में ग्वालियर आईटी पार्क की 70 एकड़ तथा दूसरे चरण में साडा ग्वालियर की 300 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में लगभग 12 हजार करोड़ रूपए के निवेश की संभावना है। इससे 5 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

रामदेव को हाईकोर्ट से फिर फटकार, कहा-

अपने विचार अपने तक रखें

रूह अफजा पर रामदेव के बयान से जुड़ा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव को फार्मास्युटिकल और खाद्य कंपनी हमदर्द और उसके लोकप्रिय पेय रूह अफजा को निशाना बनाने के लिए सांप्रदायिक अपशब्दों का इस्तेमाल करने के लिए फटकार लगाई। हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया ने पतंजलि फूड्स लिमिटेड के खिलाफ रामदेव के बयान को लेकर याचिका दाखिल की थी।

इस मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि यह बयान अंतरआत्मा को झकझोरने वाला है। कोर्ट ने कहा कि यह बयान माफी के लायक नहीं है। पतंजलि और रामदेव के खिलाफ हमदर्द की तरफ से दायर एक मुकदमे में प्रारंभिक सुनवाई के बाद जस्टिस अमित बंसल ने कड़े आदेश की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वीडियो को देखकर आंख, कान पर यकीन नहीं होता। हाई कोर्ट ने कहा कि शराब जिहाद पर कथित टिप्पणी अनुचित है। कोर्ट ने इस मामले में 5 दिन के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसमें कहा गया है कि कंपनी यह कहे कि वह भविष्य में ऐसा कोई विज्ञापन नहीं देगी। मामले की अगली सुनवाई 1 मई को होगी।

निशिकांत दुबे विवाद के बीच उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान, बोले-

संसद ही सुप्रीम, इससे ऊपर कोई नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट बनाम संसद के बीच शक्तियों को लेकर बयानबाजी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद को बंद कर देना चाहिए। अब इस मुद्दे को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर टिप्पणी की है। उपराष्ट्रपति ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में कहा कि संसद सर्वोच्च है और चुने हुए प्रतिनिधि ही 'असली मालिक' हैं। संवैधानिक पद पर बैठे हर व्यक्ति का प्रत्येक शब्द देश के हित में होता है। उपराष्ट्रपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संसद सबसे ऊपर है। संविधान की प्रस्तावना में ही इसका सार है। संविधान कहता है हम, भारत के लोग। इसका मतलब है कि सबसे बड़ी शक्ति लोगों के पास है। कोई भी भारत के लोगों से ऊपर नहीं है।

लोग प्रतिनिधियों को ही ठहराते हैं जवाबदेह

जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि भारत के लोगों ने संविधान के तहत अपने प्रतिनिधियों को चुना है। यह प्रतिनिधि ही लोगों की इच्छा और आकांक्षाओं को व्यक्त करते हैं। लोग चुनावों के दौरान इन प्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराते हैं।

चुने हुए प्रतिनिधि ही संविधान के असली मालिक हैं। वे ही तय करते हैं कि संविधान में क्या लिखा जाएगा। धनखड़ ने जोर देकर कहा कि संविधान में संसद से ऊपर कोई नहीं है। संसद उतनी ही सर्वोच्च है, जितना कि देश का हर व्यक्ति। हम, भारत के लोग में हर व्यक्ति लोकतंत्र का एक परमाणु है। इस परमाणु में शक्ति है। यह शक्ति चुनावों में दिखती है। इसलिए हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के इस बयान की आलोचना करते हुए उन्हें एक बार फिर संविधान सभा की बहसों को देखने की सलाह दी है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और राज्यसभा सांसद ने कहा कि उपराष्ट्रपति एक सम्मानित संवैधानिक पद पर हैं। संविधान में न्यायपालिका और विधायिका के बीच संतुलन की बात की गई है। संविधान ही हमारा सबसे बड़ा मार्गदर्शक है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने हाल में कहा था कि राज्यपाल अगर कोई विधेयक राष्ट्रपति को मंजूरी के लिए भेजते हैं, तो राष्ट्रपति को उस पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने टिप्पणी की थी। धनखड़ ने कहा था कि हम ऐसी स्थिति नहीं ला सकते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिया जाए। संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट का अधिकार केवल अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है।

कपिल सिब्बल ने जताई असहमति

राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने भी धनखड़ से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ भी कहा है, वह देश के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप है। यह राष्ट्रीय हित में है। सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संसद के पास कानून बनाने की पूरी शक्ति है। सुप्रीम कोर्ट का कर्तव्य है कि वह संविधान की व्याख्या करे और पूरी तरह से न्याय करे।

सार समाचार

मुम्बई में जैन मंदिर तोडऩे के विरोध में फडणवीस के नाम सौंपा ज्ञापन

गुना, देशबन्धु। मुम्बई के विले पार्ले पूर्व में स्थित जैन मंदिर को तोडऩे के विरोध में भारतीय जैन मिलन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम ज्ञापन दिया है और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय जैन मिलन के मुताबिक मुम्बई में तोड़ा गया धार्मिक स्थल करीब 20 साल से ज्यादा पुराना है। विभिन्न समाचार पत्रों से जानकारी सामने आई है कि मंदिर को एक निजी होटल मालिक के निजी स्वार्थ के लिए तोड़ दिया गया। जैन समाज इस घटना की देशभर में निंदा कर रही है और दोषी अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने की मांग की जा रही है। इसी सिलसिले में गुना में भी जैन समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को ज्ञापन दिया और दोषी अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

कृषि उप संचालक के खिलाफ सबूत देने कलेक्ट्रेट पहुंचे सलूजा

गुना, देशबन्धु। पूर्व विधायक और भाजपा नेता राजेंद्र सिंह सलूजा ने जिले में पदस्थ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय पर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार करने संबंधी गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में सलूजा ने गुना कलेक्टर, मुख्यमंत्री और ईओडब्ल्यू ग्वालियर से शिकायत की है। ईओडब्ल्यू ने मामले की जांच शुरु कर दी है और 15 दिनों के भीतर गुना कलेक्टर से प्रतिवेदन मांगा है। इस सिलसिले में गुना अपर कलेक्टर ने सलूजा को प्रमाण अथवा दस्तावेज देने के लिए 23 अप्रैल का समय दिया था। हालांकि अपनी निजी व्यस्तताओं के चलते सलूजा एक दिन पहले यानी 22 अप्रैल को ही कलेक्ट्रेट पहुंच गए और करीब 165 पन्नों का पुलिंदा अपर कलेक्टर को सौंपा है। सलूजा ने आरोप लगाया है कि कृषि विभाग के उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय ने विभाग से संबंधी खरीदी और ठेके देने जैसे कामों में करोड़ों रुपए का घोटाला किया है।

सलूजा ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कृषि विभाग से जानकारी मांगी तो विभाग के कार्यालय में सुनियोजित षड्यंत्र के तहत आग लगा दी गई है। जिसमें कई रिकॉर्ड और उपकरण तक जलकर नष्ट हो गए हैं। पूर्व विधायक का आरोप है कि आगजनी की घटना सामान्य नहीं थी, बल्कि उप संचालक के इशारे पर आग लगाई गई है, ताकि उनके काले कारनामे सामने न सकें। हालांकि सलूजा ने दावा किया कि जिन 12 बिंदुओं पर उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, उससे संबंधित प्रमाण उनके पास पहले से ही थे, जिन्हें वे मंगलवार को अपर कलेक्टर अखिलेश जैन को सौंप रहे हैं।

अस्पताल में तड़प रहा था घायल, सामने खड़ी थी डायल-100, परिजन से बोले चिकित्सक-यह तुम्हारे लिए नहीं है...

डायल नंबर, अस्पताल की लेटलतीफी से घायल की चली गयी जान

- कंट्रोल रूम ने 1033, उसने 100 नंबर पर सूचना देने को कहा

गुना, देशबन्धु। जिले के पेंची में ट्रक की टक्कर से घायल एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक व्यक्ति को हादसे के बाद इलाज उपलब्ध नहीं हो सका और लगभग 4 घंटों तक तड़पने के बाद उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस और अस्पताल प्रबंधन का अमानवीय चेहरा सामने आया है, जिसने मानवता को शर्मनाक कर दिया है। घायल को जिला अस्पताल पहुंचाने के लिए बीनागंज में पदस्थ चिकित्सक ने डायल-100 देने से मना कर दिया। मरीज के परिजन की मानें तो चिकित्सक ने यहां तक कह दिया कि यह तुम्हारे लिए नहीं है...कोई निजी वाहन किराए पर ले और घायल को ले जाओ।

दरअसल, सोमवार शाम लगभग 6 बजे ग्राम पेंची की स्मारक कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 9 में रहने वाले 59 वर्षीय कैलाश पुत्र मिश्रीलाल अहिरवार किराना का सामान लेने नेशनल हाइवे स्थित एक दुकान पर गए थे। वापस लौटने समय कैलाश हाइवे किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार और अनियत्रित ट्रक ने उन्हें टक्कर मारी और लगभग 250 फिट तक घसीटता हुआ ले गया। मौके पर खड़े लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह ट्रक को तेजी से चलाकर भाग गया। घटना की जानकारी मिलने पर कैलाश के भाई और भतीजा मौके पर पहुंचे और सबसे पहले डायल-108 को फोन लगाया। लेकिन कंट्रोल रूम ने उन्हें 1033 पर सम्पर्क करने की सलाह दी। कैलाश के भतीजे दीपक अहिरवार के मुताबिक उन्होंने 1033 पर फोन लगाया तो डायल-100 पर फोन लगाने के लिए कह दिया गया। बताया जा रहा है कि मौके पर डायल-100 पहुंची, लेकिन ट्रक चालक को पकड़ने से मना कर दिया। इसके बाद किसी तरह कैलाश अहिरवार को बीनागंज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक घंटे तक उन्हें डॉक्टर के आने का इंतजार करना पड़ा। अस्पताल के स्टाफ ने बताया कि डॉक्टर साहब भोजन करने के लिए गए हैं। घटना के बाद जिला अस्पताल में विलाप कर रहीं परिवार की महिलाओं ने आरोप लगाया कि बीनागंज अस्पताल में डॉक्टर साहब आ तो गए थे, लेकिन एक घंटे तक कुर्सी पर ही बैठे रहे और कैलाश को देखना तक उचित नहीं समझा। इसके बाद मामूली परीक्षण कर जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दे दी।

मौके पर था अंधेरा : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कैलाश को जिस जगह ट्रक ने रौंदा वह अंधेरा पसरा हुआ था। बताया जा रहा है कि कई दिनों से हाइवे पर लगे बिजली के खंबे खराब हो गए थे, जिसकी वजह से लाईट नहीं जल रही थी। संभवत: ट्रक चालक नियंत्रण नहीं रख पाया और उसकी अनियंत्रित रफ्तार ने एक व्यक्ति की जान ले ली।

3 हजार रुपए में किया वाहन : बीनागंज अस्पताल में बुरी तरह जख्मी अवस्था में लाए गए कैलाश अहिरवार के भतीजे दीपक ने दावा किया कि उन्होंने चिकित्सक से अस्पताल परिसर में ही खड़ी डायल-108 गुना जिला अस्पताल ले जाने के लिए मांगी थी। लेकिन डॉक्टर ने कह दिया कि यह तुम्हारे लिए नहीं है।

इसके बाद दीपक ने काफी देर बाद 3 हजार रुपए देकर एक निजी वाहन किराए पर लिया और कैलाश अहिरवार को गुना जिला अस्पताल लेकर रवाना हुए। लेकिन गुना बाईपास पहुंचने से पहले ही कैलाश ने दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी।

...तो बच सकती थी जान : मृतक का पूरा परिवार कैलाश की मौत के लिए दुर्घटना को अंजाम देने वाले ट्रक चालक से ज्यादा डॉक्टर और सिस्टम को दोषी मान रहे हैं। उनका दावा है कि अगर समय रहते बीनागंज में उपचार शुरु हो जाता तो शायद कैलाश अहिरवार की जान बच जाती। या डायल-100 उपलब्ध करा दी जाती तो वे समय पर जिला अस्पताल आ

गुना के मानव जैन का दूसरी बार यूपीएससी में चयन, कुंभराज की देवांगी भी चयनित

गुना, देशबन्धु। संघ लोक सेवा आयोग ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया है। परिणामों में गुना जिले के लिए अच्छी खबर है। गुना के मानव जैन लगातार दूसरी बार यूपीएससी परीक्षा में चयनित हुए हैं। वहीं कुंभराज की देवांगी मीणा ने भी गुना का नाम रोशन करते हुए सफलता प्राप्त की है।

यूपीएससी द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के मुताबिक गुना के मानव पुत्र जितेंद्र जैन ने 388वीं रैंक प्राप्त की है। जबकि कुंभराज निवासी देवांगी मीणा का चयन 764वीं रैंक के साथ हुआ है। मानव जैन ने इससे पहले साल 2023 में भी यूपीएससी की परीक्षा दी थी, तब उन्हें 634वीं रैंक मिली थी। आयोग की ओर से मानव जैन को आयकर सेवा में चयनित किया गया था। उन्होंने सेवा से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद एक साल का अवकाश लिया और दोबारा परीक्षा दी, जिसके बाद मानव की रैंकिंग में सुधार आया है। हालांकि मानव जैन का सपना आईएएस बनना है। परिजनों का कहना है कि इस बार अगर आईएएस में उनका चयन नहीं होता है तो मानव तैयारी जारी रखेंगे और तीसरी प्रयास करते हुए अपने लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करें।

दादा का सपना पूरा करेगा मानव : परीक्षा परिणाम आने के बाद पठार मोहल्ला निवासी मानव के परिजनों में उत्साह है। पड़ोसी भी खुश नजर आ रहे हैं। मानव की मां नीता जैन और पिता जितेंद्र जैन ने बताया कि उनका बेटा 10वीं कक्षा से ही मेधावी रहा है। क्राईस्ट स्कूल के छात्र रहे मानव को उनके दादा ने कलेक्टर बनने के लिए प्रेरित किया था। तबसे मानव के जीवन का लक्ष्य निर्धारित है। वह हर हाल में अपने दादा का सपना पूरा करेगा। मानव जैन ने स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद देहली यूनिवर्सिटी से ग्रेज्युएशन किया है। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम और मित्रों की मदद से ही तैयारी की है, किसी तरह की कोचिंग से नहीं जुड़े हैं। मानव के पिता जितेंद्र ने बताया कि उनके बेटे पर गुरु सुधासागर जी महाराज का आशीर्वाद है। वह निश्चित ही आईएएस बनकर परिवार तथा जिले को गौरवान्वित करेगा।

सूने घर में फिर लगाई बदमाशों ने सेंध, हजारों की चोरी

गुना, देशबन्धु। सूने घरों में बदमाशों द्वारा सेंध लगाने का सिलसिला जारी है। कैंट क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 में एक साथ कई वारदातों को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने लक्ष्मीनगर में सेंधमारी की है। जानकारी के मुताबिक लक्ष्मीनगर निवासी सुनील रजक के घर में बीती रात बदमाशों ने ताले चटकाकर आभूषण सहित हजारों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। वारदात के समय सुनील रजक शिवपुरी जिले में स्थित अपने गांव गए थे, इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घर की अलमारी में रखी एक जोड़ी चांदी की पायल और करीब 10 हजार रुपए नगदी चोरी कर लिए। सुनील रजक के पड़ोस में रहने वाले एक रिश्तेदार ने घर का ताला टूटा हुआ देखा तो फोन पर उन्हें सूचना दी। सुनील घबराए हुए गुना और अपने घर का जायजा लिया तो उनके होश उड़ गए। बाद में पीड़ित सुनील रजक द्वारा इस वारदात की सूचना कैंट पुलिस को दी है।

सोंठी में सहरिया बस्ती निवासी 20 परिवारों के घर अंधेरा

डीपी स्वीकृत, बिजली कम्पनी भी मानी, खंभे नहीं लगने दे रहे दबंग

गुना, देशबन्धु। गुना तहसील के सोंठी गांव में 20 से ज्यादा सहरिया परिवारों को बिजली नहीं मिल पा रही है। राज्य सरकार ने सहरिया बस्ती के लिए डीपी स्वीकृत कर दी है, लेकिन विवाद खम्बे गाड़ने पर सामने आ रहा है। मंगलवार को सहरिया परिवार जनसुनवाई में पहुंचे और कलेक्टर को अपनी परेशानी बताई है।

सोंठी से आए आदिवासी-सहरिया परिवारों ने कलेक्टर को बताया कि लगभग 6 महीने पहले उनकी बस्ती के लिए डीपी स्वीकृत हो चुकी है और बिजली कम्पनी ने सर्वे भी कर लिया है। डीपी लगाने के लिए बिजली लाइन बिछाना बांकी है, लेकिन जिन लोगों के खेतों में खम्बे गाड़ने की आवश्यकता है वे रुकावट डाल रहे हैं। सहरिया परिवारों के मुताबिक भू-मालिक खम्बे गाड़ने से करा रहे हैं, जिसकी वजह से बिजली लाइन नहीं बिछ पा रहा है और उनकी बस्ती में अंधेरा पसरा हुआ है।

बस्ती के लोगों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। महिलाएं दो किलोमीटर से अन्य पेयजल स्त्रोतों पर जाकर पानी भरकर ला रही है। सहरिया परिवारों ने बताया कि गांव में खम्बे लगने की सूचना पर दबंग नाराज हो चुके हैं। एक दिन पहले गांव में पुलिस ने भी पहुंची थी, उनके सामने भी विरोध किया गया, जिसके बाद ग्रामीणों को जनसुनवाई में आना पड़ा है। कलेक्टर ने महिलाओं को आश्वासन दिया है कि वे संबंधित अधिकारियों को मौके पर भेजेंगे और सहरिया बस्ती में बिजली पहुंचाने की व्यवस्था हर हाल में की जाएगी।

पीएम आवास के लिए नपा मांग रही रजिस्ट्री पेपर

- कलेक्टर के पास पहुंचे हितग्राही, कब्जे के आधार पर आवास देने की मांग

गुना, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहर में नया पेंच सामने आ गया है। दरअसल, अब तक नागरिकों की शिकायत रही है कि उन्हें पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। लेकिन पहली बार मंगलवार को ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें लाभान्वित होने के बाद भी पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को परेशान किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक नगरपालिका क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 20 के 235 लोगों को पीएम आवास का लाभार्थी चिह्नित किया गया है, लेकिन यह फरमान जारी कर दिया है कि अगर उन्हें योजना का लाभ चाहिए तो अपने-अपने मकानों की रजिस्ट्री लेकर आ जाएं। अब समस्या यह है कि वार्ड क्रमांक 20 के अधिकांश रिहायशी क्षेत्र 30 से 35 साल पहले बसाए गए थे। इनमें से ज्यादातर लोग कब्जेधारी है, जिन्हें शासन ने अब तक पट्टा और कब्जा संबंधी दस्तावेज तक उपलब्ध नहीं कराए हैं। वार्ड में शामिल गोकुल सिंह चक, भुल्लनपुरा और बरबटपुरा जैसे इलाकों के हितग्राहियों ने कलेक्टर को बताया कि वे मजदूरी करके किसी तरह दो वक्त की रोटी जुटा पाते हैं, अगर प्लॉट खरीदने की हैसियत होती तो वे पीएम आवास योजना का लाभ क्यों मांगते। कलेक्टर ने इस मामले में कार्रवाई करने की बात तो कह दी है, लेकिन रहवासियों के आवेदन ने नई बहस खड़ी कर दी है। दरअसल, बीते कुछ सालों में गुना शहर में सैकड़ों लोगों को बिना रजिस्ट्री ही पीएम आवास योजना से लाभान्वित कर दिया है, लेकिन अब हितग्राहियों से रजिस्ट्री मांगी जा रही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि या तो नगरपालिका पहले गलत तरीके से पीएम आवास योजना की राशि जारी कर दी या फिर अब तक बेवजह दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। कुल मिलाकर इस मामले में उच्च स्तरीय जांच हो सकती है, जिसके बाद यह स्पष्ट हो सकता है कि गलती अभी की जा रही है या फिर पहले गलतियों की भरमार की गई है।

जनसुनवाई में कोई जमीन पर लेटा तो किसी ने बरसाए फूल

गुना, देशबन्धु। मंगलवार को हुई जनसुनवाई के दौरान दो अनोखे मामले सामने आए हैं। एक शख्स कतार में खड़े रहने के दौरान ही हंगामा करने लगा, जिसे संभालने में सुरक्षाकर्मियों और तहसीलदार को खासी मशक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं एक अन्य आवेदक ने जनसुनवाई कक्ष से बाहर आ रहे कलेक्टर पर फूलों की बारिश करनी शुरु कर दी। दिलचस्प बात यह है कि यह दोनों ही आवेदक जमीन में गड़बड़ी से संबंधी समस्याएं लेकर पहुंचे थे।

दरअसल, हर मंगलवार की तरह इस बार भी जनसुनवाई कक्ष में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल आवेदकों की समस्या सुन रहे थे और बाहर लम्बी कतार लगी हुई थी। इस दौरान ग्राम खुटियावद निवासी भोलाराम रघुवंशी नामक शख्स चिल्लाने लगा और जमीन पर लेट गया। शोर की आवाज सुनकर जनसुनवाई कक्ष में बैठे तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा बाहर आए और सुरक्षाकर्मियों से हंगामा कर रहे व्यक्ति को संभालने के लिए कहा। भोलाराम ने तहसीलदार को बताया कि उसे कक्ष के अंदर नहीं जाने दिया जा रहा था, इसलिए उसने हंगामा किया।

हालांकि तहसीलदार खुद भोलाराम को जनसुनवाई कक्ष में ले गए। जहां उसने कलेक्टर को आवेदन देकर बताया कि उसके पिता गोपाल सिंह रघुवंशी दबंग व्यक्ति के यहां काम करते थे, जिन्होंने उसकी जमीन फर्जी तरीके से हड़प ली है। कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि वे पूरे मामले की जांच कराएंगे और सही कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आवेदकों की समस्याएं सुनकर बाहर आ रहे कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल पर एक आवेदक राधेश्याम सोनी ने गुलाब की पंखुड़िया बरसाना शुरु कर दी। राधेश्याम ने बताया कि वह कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की कार्यप्रणाली से प्रभावित है, इसलिए जितनी बार भी आवेदन देने आएंगे, पुष्पवर्षा करेंगे। राधेश्याम एक पार्क की जमीन पर कब्जे से संबंधित शिकायत करने आए थे, जिसको लेकर वह पहले भी आवेदन दे चुके हैं। हालांकि राधेश्याम द्वारा फूल बरसाने के मामले को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। कोई कह रहा है कि यह बात मनवाने का गांधीवादी तरीका है तो कुछ लोगों को लगा कि राधेश्याम वाकई कलेक्टर के काम से प्रभावित हैं, इसलिए फूल बरसा रहे थे।

विश्व प्रसिद्ध टॉयलर एण्ड फ्रांसिस प्रकाशन के रिसर्च जर्नल में पतंजलि का शोध प्रकाशित

सोरोग्रिट टैबलेट और दिव्य तेल सोरायसिस की अचूक औषधि : आचार्य बालकृष्ण

- अब संभव है सोरायसिस का आयुर्वेदिक समाधान

हरिद्वार, देशबन्धु। पतंजलि का एक महत्वपूर्ण शोध विश्व प्रसिद्ध टॉयलर एण्ड फ्रांसिस प्रकाशन के रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इस महत्वपूर्ण शोध के अनुसार पतंजलि ने सोरोग्रिट और दिव्य-तेल की सहायता से सोरायसिस जैसी बीमारी को दूर करने में सफलता पाई।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि के वैज्ञानिकों ने विविध शोध कर सोरोग्रिट टैबलेट तथा दिव्य तेल का निर्माण किया है जो सोरायसिस की अचूक औषधि हैं। सोरायसिस एक दीर्घकालिक त्वचा रोग है, जिसमें त्वचा पर चांदी जैसी चमकदार पपड़ी, और लाल चकत्ते दिखाई देते हैं। इन चकत्तों में बहुत खुजली होती है।

एलोपैथिक चिकित्सा में इस रोग में मात्र लक्षणों को कम किया जाता है, और साथ ही एलोपैथ के दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। सोरायसिस एक गम्भीर ऑटो इम्यून रोग है जिसमें रोगी को असहनीय परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अभी तक इसका कोई स्थाई उपचार नहीं था।

आज पतंजलि ने सिद्ध कर दिया है कि प्राकृतिक जड़ी - बूटियों के माध्यम से सोरायसिस जैसे लाइलाज समझे जाने वाले रोग को भी ठीक किया जा सकता है। पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा चूहों के इमिक्विमोड और टीपीए इनड्यूस्ड सोरायसिस के दो अलग-अलग प्रीक्लीनिकल मॉडल को, सोरोग्रिट टैबलेट दी गई और दिव्य-तेल का उपयोग उनकी त्वचा पर किया गया, तो इसके सकारात्मक परिणाम मिले।

खेलों से दोगुनी हो जाती है महिलाओं की प्रगतिः सारिका

- लीडर्स क्लब ने किया नारी शक्ति लीग का आयोजन

गुना, देशबन्धु। *लीडर्स क्लब गुना द्वारा आयोजित नारी शक्ति लीग फाउंडेशन फेस्ट 2025 का भव्य शुभारंभ लीडर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अत्यंत उत्साह, गर्व और जोश के साथ किया गया। यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन का एक प्रेरक उत्सव बनकर उभरा।*

यह कार्यक्रम लीडर्स क्लब फाउंडेशन को एक साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जो क्लब की प्रतिबद्धता, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक समारोह की मुख्य अतिथि सरिका लुंबा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत, रहीं। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, जिस समाज में महिलाएं खेलों में आगे बढ़ती हैं, वहां प्रगति की गति दोगुनी हो जाती है। कार्यक्रम की शोभा मंच पर उपस्थित प्रतिष्ठित अतिथियों ने और भी बढ़ा दी। इनमें मनीष छाबड़ा (अध्यक्ष, लीडर्स क्लब), मनोज सलूजा (सचिव, लीडर्स क्लब), रजनीश शर्मा (अध्यक्ष, लीडर्स सोशल फाउंडेशन), अमित नीखरा (सचिव, लीडर्स सोशल फाउंडेशन), शैलेन्द्र जैन (संस्थापक अध्यक्ष, लीडर्स क्लब), अभिधा विजयवर्गीय (मुख्य प्रायोजक), नेहा अग्रवाल (चेयरपर्सन, लेडीज़ विंग) एवं पूनम राठी (प्रोजेक्ट चेयरपर्सन) शामिल रहे। आयोजन स्वर्गीय योगेश विजयवर्गीय की पुण्य स्मृति को समर्पित रहा, जिन्होंने समाजसेवा और नेतृत्व में नई मिसाल कायम की। कार्यक्रम की शुरुआत नेहा अग्रवाल के ओजपूर्ण स्वागत भाषण से हुई। सचिव पूनम राठी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात मनीष छाबड़ा द्वारा औपचारिक रूप से लीग का उद्घोष किया गया। विभिन्न टीमों की ओर से भी प्रतिनिधि मंच पर आए और अपनी भावना साझा की -जिनमें आभा विजयवर्गीय (लायंस क्लब गुना सेंट्रल), यशा जैन (जेसीआई गुना पायनियर), रैना जैन (अभ्युदय क्लब), एवं सिमी जैन (दिगंबर जैन सोशल ग्रुप) शामिल थीं। उद्घाटन दिवस का पहला थ्रोबॉल मैच लायंस क्लब गुना सेंट्रल और अभ्युदय क्लब के बीच खेला गया, जिसमें लायंस क्लब ने रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की।

इसके साथ ही कैरम और बैडमिंटन के डबल्स मुकाबले भी आरंभ हुए। इन खेलों में हिस्सा ले रहीं टीमों में शामिल हैं - जेसीआई गुना पायनियर, लीडर्स क्लब, लायंस क्लब गुना सेंट्रल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, और अभ्युदय क्लब। इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहा लीडर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जो लीडर्स क्लब गुना की दूरदर्शिता और समर्पण का सजीव उदाहरण है। यह परिसर नारी शक्ति को समर्पित एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां महिलाएं सिर्फ खेल नहीं खेलती हैं, बल्कि आत्मबल, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता को भी नया आयाम देती हैं।

आग लगने की 2 बड़ी घटनाएं

आदमपुर कचरा खंती में भीषण आग, पेट्रोल पंप के पास भी बड़ा हादसा

भोपाल,देशबन्धु। राजधानी भोपाल में मंगलवार को आग लगने की 2 बड़ी घटनाएं हुईं। पहली घटना आदमपुर स्थित कचरा खंती में हुई। यहां दोपहर में कचरे में भीषण आग लग गई। यहां कचरे के पहाड़ में आग से 50 फीट ऊंची लपटें उठ गईं। इसके चलते 10 किलोमीटर दूर से भी धुआं उठते हुए नजर आया। देर शाम तक आग बुझाने की कोशिश जारी थी।

बताया जाता है कि आदमपुर खंती के मुख्य द्वार के पास कचरे के ढेर से दोपहर में अचानक धुआं निकलने लगा। इसके बाद आग भड़की तो यहां मौजूद कर्मचारियों ने कचरा हटाने की कोशिश की। वहीं खंती में आग लगने की सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकलें मौके पर पहुंची और काबू पाने में जुट गईं। हालांकि, देर शाम तक भी आग भीषण रही। जनपद सदस्य श्री प्रजापति ने बताया कि कचरे में आग लगी है। उसे बुझाने के प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन वह पूरी तरह से काबू में नहीं आ पाई है। श्री प्रजापति का कहना है कि हर साल गर्मी के दिनों में कचरा खंती में बार-बार आग लगती है और हजारों क्विंटल कचरा जल जाता है। कुछ दिन पहले भी भीषण आग लगी थी, जो काफी देर बाद काबू में आ पाई थी।

इधर, शाम को अयोध्या नगर स्थित नरेला जोड़ भवानी धाम में पेट्रोल पंप के पास कचरे में आग लगी। जिसने कुछ ही देर में पेड़ों को चपेट में ले लिया। हालांकि आग पर कुछ ही समय पर काबू पर लिया गया। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग की लपटें 15 फीट तक उठ गईं। पंप के पास लगे फ्लैक्स-बैनर भी पूरी तरह से जल गए। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत दमकल मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। पुलिसकर्मी और राहगीर भी सहयोग के लिए दौड़ पड़े। इससे आग पेट्रोल पंप तक पहुंचती, उससे पहले ही बुझा दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि आग काबू में नहीं आती तो बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि पंप कुछ फीट की दूरी पर ही था।

पर्यावरणविद् बोले-पृथ्वी दिवस पर नगर निगम की अद्भुत देन

आदमपुर कचरा खंती में आग लगने के बाद पर्यावरणविद् सुभाष पांडे ने कहा कि पृथ्वी दिवस पर यह भोपाल नगर निगम की अद्भुत देन है। पिछले 18 महीने में 12वीं बार आग लगाई गई है। इस बार आग इतनी भयानक है कि परिसर के अंदर काम करने वाले मजदूर और गार्ड्स तक भाग गए। दमकल भी तब तक आग नहीं बुझा पाएगी, जब तक पूरा कचरा जलकर समाप्त न हो जाए। कचरे के पहाड़ में आग लगने आधा भोपाल जानलेवा जहरीली हवा की चपेट में आ गया है।

पराली जलाने पर एक साथ 4 किसानों पर कार्रवाई

साढ़े 37 हजार का जुर्माना किया, एफआईआर भी दर्ज होगी

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल में पराली जलाने पर इस सीजन में पहली बार एकसाथ 4 किसानों पर साढ़े 37 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। वहीं, अब उनके विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज होगी।

हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया, ग्राम परवलिया में खेत में पराली जलाने के कारण गीता प्रसाद पिता किशनलाल पर 15 हजार रुपए, गब्बर सिंह पिता नवल सिंह ठाकुर पर ढाई हजार रुपए, ग्राम परेवा खेड़ा के कृषक राजेश पिता धनसिंह मीणा पर 15 हजार रुपए और होरीलाल पिता मिट्ठू लाल निवासी भोपाल पर 5 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। इन सभी के विरुद्ध एफआईआर की कार्रवाई भी की जा रही है। बता दें कि भोपाल जिले में 5 मई तक पराली जलाने पर रोक लगी हुई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए पराली जलाने पर रोक लगाई थी, जो अब तक पूरे जिले में लागू है।

हमीदिया से नौकरी से निकाल गए कर्मचारियों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

भोपाल,देशबन्धु। हमीदिया अस्पताल से 20 जनवरी को करीब पौने 3 सौ कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसके पीछे बजट की कमी का हवाला दिया था। जिसके बाद प्रभावित कर्मचारियों ने अस्पताल में धरना प्रदर्शन भी किया था। अब इन कर्मचारियों ने मदद के लिए कलेक्टर से गुहार लगाई है।

कर्मचारियों ने कलेक्टर को लिखे पत्र में बताया है कि कंपनी ने उनका चार माह का वेतन रोक रखा है। इसके चलते परिवार का भरण-पोषण करना अब मुश्किल होता जा रहा है। उनका कहना है कि जब उन्होंने बकाया वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। कर्मचारियों ने पत्र में कहा है कि जिन 270 कर्मचारियों को निकाला गया है। उनमें 3 से लेकर 15 साल पुराने कर्मचारी शामिल हैं। इनके अलावा यह वो कर्मचारी हैं, जिन्होंने कोविड काल में दिन-रात ड्यूटी की है। कर्मचारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि वे उन्हें अटका हुआ वेतन दिलाएं। साथ ही सभी निकाले गए कर्मचारियों को दोबारा नौकरी में रखवाएं।

शराब दुकान हटाने के लिए आंखों पर काली पट्टी बांधकर जनसुनवाई में पहुंचे

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल रेलवे स्टेशन के समीप सेमरा इलाके की साईंराम कॉलोनी के लोगों ने शराब दुकान हटाने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने आंखों पर काली पट्टी बांध रखी थी। लगातार 8 जनसुनवाई में आने के बावजूद दुकान नहीं हटाने पर उन्होंने विरोध का यह तरीका अपनाया। रहवासियों ने कलेक्ट्रेट के द्वार पर खड़े होकर नारेबाजी की। हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर वे पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आठवीं बार जनसुनवाई में पहुंचे। इसके साथ ही पिछले 22 दिन से प्रदर्शन भी कर रहे। इसके बावजूद दुकान को नहीं हटाया जा सका है। इसलिए मंगलवार को आंखों पर काली पट्टी बांधकर जनसुनवाई में पहुंचे। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे जीतू मरोठिया ने बताया, दुकान हटाने की मांग को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले सद्बुद्धि के लिए हवन भी कर चुके हैं। इसके बाद भी अब तक दुकान को हटाने की पहल नहीं की गई। डॉ. अंबेडकर जयंती पर लोगों को शरबत भी पिलाया था।

रोजगार मेले का आयोजन 28 को

भोपाल,देशबन्धु। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम (रोजगार मेले) का आयोजन 28 अप्रैल को प्रात:10 बजे से जिला रोजगार कार्यालय, ईदगाह हिल्स में किया जा रहा है जिसमें 15 मल्टिनेशनल कंपनियां एवं 03 स्वरोजगार से संबंधित संस्थायें शामिल होगी। उन्होंने मध्यप्रदेश के सभी रोजगार के इच्छुक आवेदक, आवेदिकाओं से अपील की है कि वे अपने समस्त मूल प्रमाण - पत्रों एवं अपना बायोडाटा सहित साक्षात्कार के लिए 28 अप्रैल को प्रात: 10 बजे उपस्थित होकर युवा संगम रोजगार मेले में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त सकते है। भर्ती कंपनियों द्वारा अपनी शर्तों पर की जाएगी। साक्षात्कार के समय, कंपनी से समस्त जानकारी स्वंय प्राप्त करें।

विशाल रक्तदान शिविर 24 को

भोपाल,देशबन्धु। सतगुरु सुदीक्षा के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तहत 24 अप्रैल गुरुवार को प्रात: 10 बजे से 4 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर जहांगीराबाद,स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। शिविर के लिए जोनल इंचार्ज एवं ब्रांच संयोजक अशोक जुनेजा ने बताया कि निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस के अवसर पर 24 अप्रैल को समूचे भारत में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तहत रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में भोपाल में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। श्री जुनेजा ने सभी से आग्रह किया है कि इस मानवता के परोपकार वाली सेवा में सहभागी बनकर स्वयं तो रक्तदान करें एवं अन्य नागरिकों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरणा दें ।

ट्रैक्टर की टक्कर से मोटर साइकिल सवार युवक की मौत, पत्नी गंभीर

भोपाल,देशबन्धु। कोलार थाना क्षेत्र में बीती रात ट्रैक्टर की टक्कर से मोटर साइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया और ट्रैक्टर जब्त कर लिया है। वहीं, हादसे के बाद से ट्रैक्टर चालक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सोनू मेसकर कजलीखेड़ा इलाके में रहता था। वह रविवार देर रात अपनी पत्नी सुशीला के साथ मोटर साइकिल से कोलार से कजलीखेड़ा लौट रहा था। जैसे ही वह बोरदा जोड़ के पास पहुंचा, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सोनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी सुशीला गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके

पर पहुंची और घायल महिला को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। कोलार थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। साथ ही ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

अंजनी नंदन धाम मंदिर परिसर में चोरी

भोपाल,देशबन्धु। राजधानी भोपाल के ईंट खेड़ी थाना क्षेत्र के अंजनी नंदन धाम मंदिर परिसर में चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़ने या दान पेटी से छेड़छाड़ करने जैसी कोई हरकत नहीं की। बल्कि मंदिर से करीब 100 मीटर दूर बने एक कमरे का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। यह कमरा लगभग एक साल से बंद पड़ा था। मंदिर के संरक्षणकर्ता कृष्णा पचौरी के मुताबिक, सुबह जब श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने कमरे का ताला टूटा हुआ देखा। अंदर का सामान भी बिखरा पड़ा था। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही ईंट खेड़ी थाना पुलिस एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कमरे से कुछ चांदी की वस्तुएं चोरी हुई हैं। हालांकि चोरी गए सामान का सही आकलन अभी नहीं हो पाया है। पुलिस के मुताबिक, मंदिर परिसर में लगे किसी भी ताले को नहीं तोड़ा गया है और मुख्य मंदिर तथा दान पेटी पूरी तरह सुरक्षित हैं। मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने के कारण फिलहाल चोरों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे कैमरों की मदद से जांच कर रही है।

फर्जी परीक्षार्थी बनकर परीक्षा देने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

भोपाल,देशबन्धु। सीबीएसई की भर्ती परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थी बनकर परीक्षा देने वाले गिरोह का मिसरोद पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक टैबलेट, दो मोबाइल, आईडी कार्ड और करीब डेढ़ लाख रुपए नकद बरामद किए हैं।

मिसरोद थाना पुलिस ने सेंट्रल स्कूल सीआरपीएफ कैंप, बंगरसिया के प्राचार्य एवं परीक्षा केंद्र प्रभारी ने 20 अप्रैल को को सूचना दी कि रोल नंबर 108115179 के परीक्षार्थी बबलेश मीणा की जगह कोई अज्ञात व्यक्ति परीक्षा दे रहा है। सूचना मिलते ही मिसरोद थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फर्जी परीक्षार्थी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुद को बबलेश मीणा बताया, लेकिन उसकी बोली-भाषा से शक होने पर जब सत्यापन किया गया तो आरोपी ने असली पहचान उजागर की। आरोपी का नाम सोनू कुमार मिश्रा निवासी पटना, बिहार निकला। सोनू ने बताया कि उसे जसवंत मीणा नामक युवक ने 4 लाख रुपए में सौदा कर परीक्षा दिलवाने भेजा था, जबकि जसवंत ने परीक्षार्थी बबलेश मीणा से 10 लाख रुपए में सौदा किया था। सोनू ने बताया कि उसे अग्रिम में 50 हजार रुपए मिले थे और वह 19 अप्रैल को दिल्ली से विमान द्वारा भोपाल पहुंचा था। यहां 20 अप्रैल को वह फर्जी पहचान पत्र के जरिए परीक्षा देने पहुंचा, जहां बायोमैट्रिक के कारण पकड़ में आ गया। सोनू की निशानदेही पर पुलिस ने मुख्य सरगना जसवंत मीणा उम्र 30 वर्ष निवासी इन्दिरा नगर जगतपुरा, जयपुर और परीक्षार्थी बबलेश मीणा उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम खिलचीपुर, थाना सलेमपुर जिला दौसा राजस्थान को भी गिरफ्तार कर लिया।

बाणगंगा नदी के सफाई अभियान में शामिल हुए जल संसाधन मंत्री

सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के लिए किया श्रमदान

भोपाल,देशबन्धु। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मंगलवार को ईंटखेड़ी में बाणगंगा नदी के विसर्जन घाट पर सफाई, सौंदर्यीकरण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने बलिदान स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके त्याग और बलिदान को याद किया।

मंत्री श्री सिलावट ने सभी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जल संरक्षण के संकल्प को पूरा करने के लिए अभियान में सहयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में 13 मिनट तक जल संवर्धन और संरक्षण की आवश्यकता बताई थी। भविष्य के लिए जल को संरक्षित करना आवश्यक है, क्योंकि जल के बिना कुछ भी संभव नहीं है। श्री सिलावट ने जन आंदोलन के साथ इस कार्य को करने का आह्वान किया और कहा कि गांव, जिले, राज्य और देश में श्रमदान को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। बैरसिया विधानसभा में 70 अमृत सरोवर हैं, जिनका संवर्धन करना है। उन्होंने %एक पेड़ मां के नाम% लगाने का भी आग्रह किया।

श्री सिलावट ने 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। उन्होंने सभी वर्गों से जल संरक्षण कार्यों में सहभागिता का प्रण लेने का आह्वान किया। साथ ही ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों पर जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए श्रमदान का आग्रह भी किया। कार्यक्रम में विधायक विष्णु खत्री,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहन सिंह जाट, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद राजपूत,सरपंच हरि सिंह सैनी, तीरथ सिंह मीणा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

In The Court Of III Additional Judge To I Civil Judge, Senior Division, District Court, Betul
Presiding Officer: **श्रीमती संघप्रिया भद्रसेन**
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000215/2023)

चन्दाबाई सन्देश.....वादी
Vs
महाप्रबंधक ..... प्रतिवादी
Process Id-2953/2025
पेशी दिनांक- 26.04.2025

प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण पता भोपाल

यह कि प्रार्थी **चन्दाबाई सन्देश** ने आपके विरुद्ध सिविल सूट क्लास ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे त्तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। आज तारीख 15 April 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सील

श्रीमती संघप्रिया भद्रसेन
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड बैतूल के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश जिला बैतूल

कृपया ध्यान दें:-1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैंसदेही, जिला बैतूल, म.प्र.

रा.मा. के 0/0134 / अपील/2024-25
मौजा:- गुजरमाल, तहसील आठनेर
1- पंडित कनाठे पिता गुलाबराव उर्फ संतोष,
2- प्रकाश कनाठे पिता गुलाबराव उर्फ संतोष दोनों निवासी जामठी, तहसील आठनेर जिला बैतूल, म.प्र.
3- प्रयाग पिता ढोण्ड्या कनाठे, नि. इंदगाह नगर आठनेर, तहसील आठनेर, जिला बैतूल, म.प्र. .....अपीलार्थीगण

बनाम

4- कृष्णा पिता पांडूरंग कनाठे, नि. छत्रछाया भवन पीथमपुर, जिला धार (इंदौर)
5-गयाबाई पिता पांडूरंग (पति दौलत देशमुख), नि. गोंडीगौला, तहसील मुलताई, जिला बैतूल, म..प्र., 6-सयाबाई पिता पांडूरंग (पति नागोराव देशमुख) नि. चक्कर रोड बैतूल, तहसील व जिला बैतूल, म.प्र. , 7-कांता पिता पांडूर (पति नत्थू कावडकर) नि. टेमुरनी, तहसील आठनेर, जिला बैतूल, म.प्र. ,8-कमला पिता पांडूरंग (पति राजेन्द्र बारस्कर) नि. चंदस वाठोडा, तहसील वरूड़, जिला अमरावतो. महा

12-मारोती पिता भुजंगराव (फौत) अ- संगीता पति मारोती कनाठे, ब- ललीता पिता मारोती कनाठे, स-निकिता पिता मारोती कनाठे, द-खुशी पिता मारोती कनाते....सभी जाति कुन्बी, नि. छत्रछाया भवन धार रोड पीथमपुर, जिला धार (इंदौर) म.प्र. 13-इन्दुबाई पिता भुजंग (पति अनिल कावड़कर), नि. इसमरी, तहसील वरूड़, जिला अमरावती, महा., 14. कासुबाई पति भुजंगराव, नि. गुजरमाल, तहसील आठनेर, जिला बैतूल, म.प्र. 15-मधु उर्फ मधुकर कनाठे पिता दादू, 16-जयाबाई उर्फ मुन्नीबाई पिता दादू, जाति कुंबी, नि. गुजरलाल, तह. आठनेर, जिला बैतूल, म.प्र. .....उत्तरार्थीगण

ईश्तहार

एतद् द्वारा गैर अपीलार्थीगण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थीगण के द्वारा अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार, आठनेर, तहसील आठनेर, जिला बैतूल के रा.प्र.क्र./0009/अ-27/2024-25, मौजा गुजरमाल में पारित आदेश दिनांक 21.06.2024 से पीड़ित एवं असंतुष्ट होकर प्रथम राजस्व अपील अंतर्गत धारा 44 म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत् प्रस्तुत की गई है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें नियत पेशी दिनांक **28/04/2025** को आप अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपने पक्ष समर्थन में जो भी जवाब या दस्तावेज आदि पेश करना चाहते हैं. आवश्यक रूप से उपस्थित होकर पेश करें। अन्यथा अनुपस्थिति की दशा में उत्तरार्थीगण/अनावेदकगण के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। पेशी दिनांक **28/04/2025** को किसी कारण वश शासकीय अवकाश घोषित होने की दशा में प्रकरण आगामी कार्य दिवस को लिया जावेगा।

भैंसदेही
दिनांक 18.04.2025

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
भैंसदेही, जिला बैतूल, म.प्र.

देशबन्धु

भोपाल, बुधवार 23 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

सख़्त कार्रवाई हो रामदेव के खिलाफ़

अपना शरबत बाज़ार में उतारने के बाद पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव की ओर से इसी महीने की शुरुआत में दिए गए साम्प्रदायिकता व नफ़रत फैलाने वाले बयान पर बेशक दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को उन्हें जोरदार फटकार लगाते हुए कहा हो कि, 'इससे अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है। इसे माफ नहीं किया जा सकता,' पर सवाल यह है कि क्या खुद रामदेव इस बात को महसूस करेंगे कि वे अपने व्यवसायिक लाभ के लिये समाज को किस कदर बांट रहे हैं? इसके साथ ही सवाल यह भी है कि क्या सत्ता के नज़दीक होने का अर्थ यह है कि कोई भी रसूखदार कानूनों की परवाह किये बिना मर्जी के मुताबिक बयानबाजी करे? अब देखना यह होगा कि अदालत बाबा रामदेव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है या फिर उन्हें मात्र चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है। अदालत ने उन्हें अपने विवादास्पद वीडियो हटाने तथा भविष्य में ऐसे बयान न देने की सख्त ताकीद दी है। मामले की अगली सुनवाई 1 मई को निर्धारित की गयी है। रामदेव के वकील को भी उपस्थित रहने के लिये कहा गया है। जस्टिस अमित बंसल ने सख्त आदेश देने की चेतावनी भी दी।

उल्लेखनीय है कि आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाले पतंजलि के संस्थापक व योग गुरु रामदेव ने 3 अप्रैल को अपना शरबत लॉन्च करते हुए एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया था। इसमें वे अपने नये उत्पाद के प्रदर्शन के साथ यह कहते सुने गये- 'एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है उससे मदरसे और मस्जिदें बनती हैं। अगर आप वो शरबत पिएंगे तो मस्जिद और मदरसे बनेंगे।' रामदेव ने यह भी कहा कि 'अगर आप पतंजलि का शरबत पिएंगे तो गुरुकुल बनेंगे, आचार्य कुलम बनेगा। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड आगे बढ़ेगा। मैं कहता हूं कि ये शरबत जिहाद है। जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही 'शरबत जिहाद' भी चल रहा है।' उनका इशारा प्रसिद्ध शरबत रूह आफज़ा बनाने वाली कम्पनी हमदर्द की ओर था।

उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके पक्ष-विपक्ष में बयानों व प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गयी थी। रूह आफज़ा, जिसे 1907 में हकीम हाफ़िज अब्दुल मजीद ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बनाया था पीलीभीत के पंजाबियां मोहल्ले के निवासियों ने रामदेव के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'रूह आफज़ा एक ऐसा पेय है जो हर धर्म के लोगों के दिलों को ठंडक देता है। इसे धार्मिक रंग देना गलत है।'

हालांकि विवाद बढ़ने पर रामदेव ने 12 अप्रैल को एक और वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा कि, 'मैंने एक वीडियो डाला। उससे सबको मिर्ची लग गई। मेरे खिलाफ हजारों वीडियो बनाए गए। कहा जाने लगा कि मैंने शरबत जिहाद का नया शिगूफा छोड़ दिया। अरे मैंने क्या छेड़ा? ये तो है ही। लव जिहाद, लैंड जिहाद, वोट जिहाद, बहुत तरह के जिहाद चलाते हैं ये लोग। मैं यह नहीं कह रहा कि वे आतंकवादी हैं, लेकिन इतना जरूर है कि उनकी इस्लाम के प्रति निष्ठा है।'

अपना उत्पाद बेचने के लिये एक प्रतिष्ठित कम्पनी को यूं बदनाम करने की रामदेव की यह हरकत अधिकतर लोगों को पसंद नहीं आई थी। लोगों ने न केवल दोनों के उत्पादों की तुलना करते हुए रूह आफज़ा को बेहतर बतलाया बल्कि उन सारी सामाजिक कल्याण की गतिविधियों को भी सामने लाया जिनका संचालन हमदर्द कम्पनी करती है। रामदेव के खिलाफ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दिल्ली के एक थाने में तो रिपोर्ट लिखाई ही, खुद हमदर्द कम्पनी ने न्यायालय का रूख किया था। कम्पनी के सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने इस बयान को 'हेट स्पीच' के समकक्ष बताया और कहा कि यह साम्प्रदायिक विभाजन करने जैसा है। रोहतगी ने आरोप लगाया कि रामदेव ने धर्म के आधार पर हमदर्द कंपनी पर हमला किया है। उनका कहना था कि रामदेव का नाम पर्याप्त मशहूर है और वे दूसरे प्रोडक्ट की बुराई किये बगैर पतंजलि का सामान बेच सकते हैं।

पतंजलि के वकील राजीव नायर ने वादा किया कि ऐसे सभी वीडियो हटा लिये जायेंगे। अदालत ने चेतावनी दी कि, 'रामदेव ऐसी बातें अपने दिमाग तक सीमित रखें। इन्हें जाहिर न करें।' रोहतगी ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की भी याद दिलाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और उनके भागीदार बालकृष्ण को लोगों से माफी मांगने का आदेश दिया था। दोनों ने कोरोना की अंग्रेजी दवाओं के खिलाफ भी गलत बयान दिए थे। वैसे भ्रामक विज्ञापन मामले में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई थी। कोर्ट ने दोनों के माफीनामे स्वीकार करते हुए दोनों के खिलाफ़ दायर अवमानना का मामला बंद कर दिया था।

रामदेव बाबा को योग को लोकप्रिय बनाने का श्रेय तो जाता है लेकिन अपनी व्यवसायिक महत्वाकांक्षाओं तथा भारतीय जनता पार्टी की सरकारों से मिलने वाले अनपेक्षित लाभों के कारण वे विवादग्रस्त हो चुके हैं। उनकी पतंजलि कम्पनी आयुर्वेदिक दवाओं के साथ-साथ खान-पान की सामग्रियों, सौंदर्य प्रसाधनों और यहां तक कि जीन्स भी बनाती है। देश भर की सैकड़ों दुकानों एवं मेडिकल स्टोर्स में कम्पनी के उत्पाद बड़े पैमाने पर बिकते हैं। पतंजलि के उत्पाद कई राज्यों में बनते हैं। सत्ता से मिली शह के चलते रामदेव का कद इतना बड़ा हो गया है कि अधिकांश राज्यों में उन्हें एक तरह से राज्य अतिथि का दर्जा मिलता है और उन्हें जो भी सुविधाएं उनके व्यवसायिक कार्यों के लिये चाहिये होती हैं, वे चुटकी बजाते उपलब्ध हो जाती हैं। उनके अनेक उत्पाद गैर मानक घोषित किये जा चुके हैं लेकिन रामदेव किसी कार्रवाई की चिंता से मुक्त होकर अपने व्यवसाय का संचालन बेखटके करते हैं। उनके औद्योगिक साम्राज्य का सतत विस्तार हो रहा है। 2011 में समाजसेवी अन्ना हजारे के चलाये लोकपाल आंदोलन में अग्रणी रहे रामदेव अपना माल बेचने के लिये किसी भी स्तर तक जाते रहे हैं जिस पर लगाम ज़रूरी है।

न्यायपालिका को सरकार की बांदी बनाने की मुहिम

अनिल जैन

यह सही है कि संविधान में इस बात का जिक्र नहीं है कि विधानसभा में पारित किसी विधेयक को राज्यपाल को कितने समय के अंदर मंजूरी देनी है। इसका यह मतलब भी नहीं है कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक को बिना मंजूरी दिए अपने पास रख सकते हैं। अगर कोई राज्यपाल ऐसा करता है तो जाहिर है कि वह अपनी सरकार को काम नहीं करने देना चाहता है।

इस समय केन्द्र सरकार के कुछ मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट को जिस तरह गाली-गलौज की भाषा में धमकाया जा रहा है, उसे देखते हुए करीब चार दशक पुराना वाकया याद आ रहा है। उस समय राजीव गांधी की सरकार में एक मंत्री हुआ करते थे- बिहार के कमलाकांत तिवारी उर्फ के.के. तिवारी। वे अपने नाम के साथ 'प्रोफेसर' भी लिखते थे, जिससे ऐसा लगता था कि वे पढ़े-लिखे और शालीन व्यक्ति हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं था। उनकी काबिलियत यह थी कि वे अव्वल दर्जे के चापलूस, बदतमीज, बदजुबान थे।

राजीव गांधी और उनकी सरकार के खिलाफ बोलने-लिखने वाले किसी भी विपक्षी नेता या किसी बड़े पत्रकार के खिलाफ़ गाली-गलौज करने और उसका रिश्ता सीआईए या केजीबी से जोड़ने में के.के. तिवारी बिलकुल देर नहीं लगाते थे। इस सिलसिले में उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह तक को नहीं बख़्शा था। उन्होंने जैल सिंह के संबंध पंजाब के आतंकवादियों से जोड़ते हुए राष्ट्रपति भवन को साजिशों का अड्डा तक बता दिया था। हालांकि तिवारी को अपनी बदजुबानी की कीमत मंत्री पद से इस्तीफा देकर चुकानी पड़ी थी। उसके कुछ समय बाद हुए चुनाव में कांग्रेस भी सत्ता से बाहर हो गई थी। के.के. तिवारी का क्या हुआ, वे कहां हैं या नहीं हैं, किसी को नहीं मालूम।

बहरहाल नरेन्द्र मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के साथ टकराव के हालात बना रखे हैं। राजीव गांधी के पास तो एक ही के.के. तिवारी थे, लेकिन आज हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के पास के.के. तिवारीनुमा मंत्रियों और सांसदों की एक बड़ी फौज है जिसने सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। हैरानी की बात यह है कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस फौज की अगुवाई करते दिख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के दो फैसले टकराव का मुद्दा बने हुए हैं। एक फैसले में राज्यपालों की मनमानी पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य विधानसभा में पारित विधेयक को राज्यपाल अनंतकाल तक बिना मंजूरी दिए अपने पास नहीं रख सकेंगे। अगर राज्यपाल किसी विधेयक को खुद मंजूरी न देते हुए उसे राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो राष्ट्रपति को भी उस पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

यह सही है कि संविधान में इस बात का जिक्र नहीं है कि विधानसभा में पारित किसी विधेयक को राज्यपाल को कितने समय के अंदर मंजूरी देनी है। इसका यह मतलब भी नहीं है कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक को बिना मंजूरी दिए अपने पास रख सकते हैं। अगर कोई राज्यपाल ऐसा करता है तो जाहिर है कि वह अपनी सरकार को काम नहीं करने देना चाहता है। आजादी के बाद लंबे समय तक इस मामले मे सुधार की जरूरत महसूस नहीं हुई या सुप्रीम कोर्ट को दखल देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी, तो उसका कारण यह था कि किसी भी राज्यपाल ने महीनों और सालों तक विधेयक लटका कर नहीं रखे। यह समस्या अभी हाल के वर्षों में ही पैदा हुई है। हालांकि जिन राज्यों में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकारें हैं, वहां इस तरह की कोई समस्या नहीं है, परन्तु गैर भाजपा शासित लगभग सभी राज्यों में राज्यपालों ने अघोषित रूप से यह रवायत बना ली है कि वे सरकार को परेशान करने की नीयत से विधेयकों को लटकाए रखते हैं और कभी-कभी विधेयक को विवादास्पद बताकर उसे राष्ट्रपति के पास भेज देते हैं। राष्ट्रपति के पास भी वह विधेयक महीनों तक पड़ा रहता है। ऐसी ही समस्या का निदान करने के लिए ही तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा और विधेयकों की मंजूरी के लिए एक समय सीमा निश्चित करनी पड़ी।

यह फैसला आते ही उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्र सरकार के मंत्री बिफर पड़े और अमर्यादित भाषा में सुप्रीम कोर्ट को अपनी मर्यादा में रहने की नसीहत देने लगे। ऐसा नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नाराज लोगों को यह नहीं मालूम है कि सुप्रीम कोर्ट को यह दखल क्यों देना पड़ा। उपराष्ट्रपति धनखड़ तो संवैधानिक मामलों के जानकार बताए जाते हैं। जाहिर है कि उन्हें राज्यपालों की बदनीयती और मनमानी पर संवैधानिक अंकुश मंजूर नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट से सरकार के टकराव का दूसरा मामला तो और भी ज्यादा संगीन स्थिति में पहुंच गया है। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए वक्फ़ संशोधन के प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाकर सरकार से कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश आते ही भाजपा नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पर हमले शुरू हो गए हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 'भारत में चल रहे गृह युद्धों के लिए प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं।' इस सिलसिले में दुबे ने अपनी जहरीली जुबान से देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को भी निशाना बनाया। वक्फ़ संशोधन कानून को लेकर कुरैशी की एक पोस्ट के जवाब में दुबे ने कहा कि 'आप मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे।'

देश के प्रधान न्यायाधीश पर दुबे के आपत्तिजनक और खतरनाक बयान के बाद भाजपा के दूसरे कई सांसदों और नेताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट को अपनी हदों में रहने की नसीहत दी। हालांकि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने निशिकांत दुबे और अन्य नेताओं के बयान से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उनके बयानों से पार्टी सहमत नहीं है, ये उनके निजी बयान हैं। भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी न्यायपालिका के खिलाफ ऐसी बातों को नापसंद करती है। उनकी इस सफाई से समझा गया कि भाजपा ने इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। मगर इसके बाद भाजपा के अंदर से जैसी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, उनसे विवाद में नया पहलू जुड़ा है। दो प्रतिनिधि बयान खास तौर पर गौरतलब हैं- पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने निशिकांत दुबे की बातों को दोहराते हुए कहा कि- 'उन्होंने सही बात कही है।' भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दुबे को 'सार्वजनिक रूप' से ऐसी बातें न बोलने की सलाह देते हुए कहा-'कभी-कभी सच बोलने से बचना पड़ता है।'

सत्ताधारी जमात के इकोसिस्टम के एक हिस्से ने तो सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के साथ-साथ नड्डा को भी निशाने पर ले लिया। उनके खिलाफ अपमानजनक हैशटैग ट्रैंड कराया गया, जिसके तहत कुछ लोगों ने उनसे इस्तीफ़े की मांग भी की। इससे विपक्ष के इस आरोप को वजन मिला कि दुबे ने जो कहा, वह सत्ताधारी जमात की असल मंशा को जाहिर करता है और नड्डा की सफाई महज रस्म अदायगी है। वक्फ़ संशोधन विधेयक का पारित कराना, उस पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक को लेकर निशिकांत दुबे का बयान तथा राज्यपालों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर उपराष्ट्रपति धनखड़ सहित तमाम भाजपा नेताओं के बयान भाजपा एवं उसकी सरकार की एक सोची-समझी रणनीति के हिस्से हैं।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट को ऐसी नसीहतें देने और सरकार व संसद को उससे ऊपर बताने का सिलसिला बहुत पहले से जारी है। कानून मंत्री रहते हुए रविशंकर प्रसाद कई मौकों पर ऐसी नसीहत दे चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने तो केरल के सबरीमाला मंदिर के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर 27 अक्टूबर 2018 को साफ शब्दों में कहा था- 'अदालतें किसी मामले में फैसला देते वक्त व्यावहारिक रुख अपनाएं और वैसे ही फैसले दें, जिन पर अमल किया जा सके।'

दरअसल संसद, चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और मीडिया को अपने अनुकूल बनाने के बाद अब न्यायपालिका ही ऐसी संस्था बची है जो पूरी तरह सरकार के काबू में नहीं आ पाई है। सो, उसे काबू में करने का अभियान छेड़ दिया गया है। सहयोगी दलों की बैसाखियों पर टिकी 240 लोकसभा सीटों वाली सरकार का यह दुस्साहस देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकसभा चुनाव में 400 सीटें क्यों चाहिए थीं और अगर वे मिल जातीं तो क्या होता!

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक मंथन

■ कल्याणी शंकर

राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ़्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनर्संयोजन - वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय - चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं।

इस साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनाव काफी अप्रत्याशित हैं। अभी तक, भाजपा, राजद, कांग्रेस या जद (यू) के लिए कोई आसान रास्ता नहीं है। बिहार की राजनीति में मंथन चुपचाप हो रहा है। सत्ता की गत्यात्मकता में संभावित बदलाव हो सकता है। पिछले दो दशकों से जनता दल (यूनाइटेड) के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाली भाजपा प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद कर रही है। राजद सरकार का मुखिया बनना चाहता है।

दो महत्वपूर्ण शक्ति समूह लड़ाई में हैं। एक तरफ एनडीए और दूसरी तरफ महागठबंधन, जिसमें राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं। पार्टी के भीतर और भीतरी गतिशीलता पूरे जोश में है। एनडीए और महागठबंधन एक बड़े राजनीतिक मुकाबले के लिए सोची-समझी चाल चल रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, लगातार उन राज्यों में जीत से उत्साहित भाजपा ने अब बिहार पर नज़रें गड़ा दी हैं।

बिहार की जातिगत राजनीति दिलचस्प है। पिछड़े वर्ग की आबादी 63.13प्रतिशत है, जबकि सवर्ण जातियां केवल 15.52प्रतिशत हैं। पिछड़े वर्ग की श्रेणी में अन्य पिछड़ा वर्ग 27.12 है, जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग की आबादी 36प्रतिशत है। दलितों की संख्या लगभग 19.65 है और यादवों की संख्या 14.26प्रतिशत है। नीतीश कुमार की कुर्मी जाति, कुर्मी, जिसे ओबीसी के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, की आबादी 2.87प्रतिशत है। पिछले विधानसभा चुनावों में, लगभग 15प्रतिशत आबादी वाली उच्च जातियों ने कई पार्टियों में टिकट वितरण पर अपना दबदबा बनाया था। भाजपा ने अपने 47.3प्रतिशत टिकट उच्च जाति के उम्मीदवारों को दिये थे, जबकि कांग्रेस ने अपनी 40प्रतिशत सीटें उच्च जातियों को दी थीं।

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में, महागठबंधन 243 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत हासिल नहीं कर सका, केवल 12 सीटों से चूक गया। राजद सदन में सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन सरकार नहीं बना सकी।

2025 के चुनावों के लिए, जेडी(यू) ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की पुष्टि की है। जाने-माने चुनाव विशेषज्ञ प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि नीतीश कुमार अपना राजनीतिक करियर खत्म कर देंगे। राजद ने अपने नेता तेजस्वी यादव को चुना है। कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इस महीने से शुरू हुई कांग्रेस और राजद के बीच बैठकों का सिलसिला जारी है।

जनता दल (यूनाइटेड) पार्टी और भाजपा गठबंधन वर्तमान में बिहार पर शासन कर रहे हैं। नीतीश कुमार की बिगड़ती सेहत, जातिगत संतुलन और गठबंधन के कामकाज ने बिहार को एनडीए के लिए राजनीतिक रूप से अप्रत्याशित बना दिया है। अगर भाजपा नीतीश को चुनती भी है, तो उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे चुनाव परिणाम को काफी प्रभावित कर सकते हैं। जेडीयू भाजपा के साथ ज़्यादा सीटों के लिए मोलभाव करना चाहती है। 2020 में जेडी(यू)ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा,लेकिन सिर्फ़ 43 सीटें ही जीत पायी थी। इसके विपरीत, भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटें जीतीं।

राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ़्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनर्संयोजन - वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय - चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं। 2020 के बाद से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम एनडीए के भीतर सत्ता समीकरण में बदलाव रहा है, जिसमें भाजपा मज़बूत होकर उभरी है। भाजपा ने रणनीतिक रूप से गैर-प्रमुख अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और गैर-प्रमुख दलित समुदायों को अपने पक्ष में किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिनों के लिए बिहार गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही बिहार का दौरा करेंगे।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने एक चौंकाने वाली घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने समाजवादी सहयोगी नीतीश कुमार के साथ सुलह करने के लिए तैयार हैं। इस बयान के जवाब में नीतीश ने कहा कि उन्होंने अनजाने में राजद के साथ गठबंधन कर लिया था। हालांकि, तेजस्वी यादव ने जोर देकर कहा कि महागठबंधन में नीतीश के लिए कोई जगह नहीं है। कई लोगों का मानना है कि अपने यू-टर्न के लिए मशहूर नीतीश पाला बदल सकते हैं।

भारत के विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी समन्वय समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। यह निर्णय 17 अप्रैल को पटना में छह गठबंधन सहयोगियों की बैठक के दौरान लिया गया।

महागठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दलों को चिंता है कि राजद सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आखिरी समय तक इंतजार करेगा। कांग्रेस पार्टी 2020 में उन्हें दी गयी कमजोर सीटों से नाखुश है। उसने पिछले चुनाव में जिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से उन्हें केवल 19 सीटें ही मिलीं। सीपीआई (एमएल), जिसने 2020 में अच्छा प्रदर्शन किया था, सीटों का बड़ा हिस्सा चाहती है। 2005 के बाद से, आरजेडी को 2015 और 2022 में छोटी अवधि को छोड़कर, सत्ता हासिल करने में कठिनाई हो रही है।

फिलहाल, तेजस्वी यादव के सामने दो मुख्य कार्य हैं। सबसे पहले, उन्हें मुसलमानों और यादवों के अपने मूल समूहों से परे अन्य जातियों को शामिल करने के लिए समर्थन का विस्तार करने की आवश्यकता है। इसके लिए एक मजबूत जमीनी स्तर का अभियान शामिल है, क्योंकि पारंपरिक मतदान के रुझान बदल रहे हैं। कांग्रेस ने बिहार में युवा नेतृत्व विकसित नहीं किया है। इसका पुराना कोर ग्रुप मुस्लिम और दलितों के वोट बैंक दूसरे दलों में चले गये हैं। पार्टी ने हाशिए पर पड़े समुदायों पर नज़र रखने के लिए 'संविधान नेतृत्व कार्यक्रम' शुरू किया है।

मुख्य दलों को अपने समूहों के भीतर और बाहर दोनों जगह चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, और एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव की उम्मीद है। ध्यान देने वाली बात यह है कि नीतीश कुमार का ईबीसी बरकरार है और आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन को चुनौती दे रहा है।

नवंबर से पहले कई और बदलाव हो सकते हैं, जिन्हें देखना दिलचस्प होगा। राजनीति में एक सप्ताह लंबा माना जाता है। छह महीने वास्तव में लंबे होते हैं।

आपके पत्र

बैंक में खाता खोलने उम्र से कोई सरोकार नहीं

बैंक में खाता खोलने के लिए दस वर्ष के ऊपर के नाबालिग बच्चे के लिए आरबीआई ने मार्ग प्रशस्त किया है। दस वर्ष से ऊपर के बालक सावधि जमा,बचत खाता खोलने के लिए स्वतंत्र हैं और बच्चे संचालित कर सकते है। यह बदलते भारत की तस्वीर है। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए बैंक दिवास्वप्न के समान था। गांवो में गरीब वर्ग बैंक का नाम और काम भी नहीं जानते थे। लेकिन सरकार की विकासलक्षी योजनाओं के संचालित करने के बाद गरीब और निरक्षर लोग भी बैंक का रुख कर रहे हैं। आज गरीब और अनपढ़ लोग बैंक जाकर अपने रुपये का लेन-देन आसानी से कर रहे हैं। सरकार ने करोड़ों बैंक खाते खुलवा कर गरीब को अपना हक दिलाया है। सरकार के पैसे हर खातेदार के खाते में जमा हो रहे हैं। बिचौलिए देखते ही रह गए। आरबीआई की नीतियों के कारण दस वर्ष से ऊपर के बच्चे बचत खाता संचालित कर सकते हैं। इतना ही नही, अपने अभिभावकों के साथ खाता संचालित करने के लिए बैंक ने तमाम परेशानी को दूर कर दी है। बैंक अपने जोखिम प्रबंधन नीति,उत्पाद और ग्राहकों के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को बैंक खाता संचालित करने की अनुमति प्रदान करता है। इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। नाबालिगों केखाते खोलने के लिए बैंक उचित जांच पड़ताल करेगा। यह सुविधा स्वागतयोग्य है और युवाओं की प्रतिभा और हुनर का विकासलक्षी योजनाओं की अभिवृद्धि होगी। संशोधित दिशानिर्देश के लिए आगामी जुलाई तक क्रियान्वयन शुरू कर दिया जाएगा।

-कांतिलाल मांडोत

राष्ट्रपति पद को विवाद से दूर रखें

पिछले काफी समय से न्यायपालिका और राष्ट्रपति के पद की गरिमा पर बेवजह का विवाद छिड़ा हुआ है। राष्ट्रपति देश के प्रथम व्यक्ति व सर्वेसर्वा होते हैं। वे सेना के तीनों अंगों के प्रधान के साथ ही देश के प्रधान न्यायाधीश को शपथ ग्रहण कराते हैं। प्रधानमंत्री को भी देशहित में संवैधानिक नीति के लिए सलाह/स्वीकृति लेनी पड़ती है। लोकतंत्र के चारों स्तम्भ (कार्यपालिका,न्यायपालिका,विधायिका और प्रेस) सुचारु रूप से राष्ट्रहित में कार्य करें उस पर उनकी वैधानिक नजर रहती है। तब राष्ट्रपति देश के सर्वोच्च पदाधिकारी होते हैं अत: राष्ट्रपति की गरिमा और देश की अस्मिता देश और दुनिया में बरक़रार रहे इस हेतु उन पर किसी तरह के विवाद/बहस से लोकतंत्र के चारों स्तम्भों को दूर ही रहना चाहिए। ताकि किसी भी तरह का कोई विवाद पैदा न हो व राष्ट्र की गरिमा बनी रहे।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर (म.प्र.)

ललित सुरजन की कलम से

बिलासपुर की पांच बहनें

'नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान प्रारंभ हुआ। यह मोदी सरकार के प्रमुखतम कार्यक्रमों में एक है। इसका उद्देश्य है कि भारत में जो लैंगिक असमानता सदियों से विद्यमान है, देश में लड़के व लड़कियों के अनुपात में एक बड़ी खाई बनी है वह बढ़ती जा रही है, उसे दूर किया जाए। कुछ प्रदेश लंबे समय से कन्या भ्रूण हत्या के लिए बदनाम रहे हैं। अगर बेटी हुई है तो जन्म होते ही उसे मार डालने के लोमहर्षक प्रसंग सामने आए हैं। यह भी अध्ययन से पता चला है कि शहरी पढ़े-लिखे सक्षम वर्ग में पुत्री के बजाय पुत्र को प्राथमिकता दी जा रही है। दिल्ली, मुंबई इत्यादि महानगरों के आंकड़े यही बयान करते हैं। कुछ समय पहले ही महाराष्ट्र के सांगली जिले में किसी जगह पर दर्जनों मृत भ्रूण प्राप्त हुए जिससे खलबली मच गई। अनुमान है कि आसपास के अल्ट्रासाउण्ड क्लीनिकों में गर्भस्थ शिशु के लड़की होने की जानकारी मिलने के बाद गर्भपात करवा भ्रूण वहां दफनाए गए। इसकी खोजबीन जारी है, लेकिन कोई न्यायिक कार्रवाई हुई हो तो मेरी जानकारी में नहीं है।

(देशबन्धु में 18 मई 2017 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/05/blog-post_18.html

पावन प्रसंग

पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो,उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंत:करण को उज्जवल करती हैं। मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है।पूर्व राष्टपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अत: मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंत:करण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढ़ी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होती है। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। च्पंचतंत्रज्तथा चहितोपदेशज् इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

-संजीव ठाकुर

सार-समाचार

जिले में 30 जून तक निजी नलकूप, हैंडपम्प खनन पर प्रतिबंध

रायसेन, देशबन्धु। जिले में पेयजल एवं घरेलू प्रयोजनों के लिए आमजन को जल प्रदायगी बनाए रखने तथा जल वितरण सुनिश्चित कराने हेतु कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा तत्काल प्रभाव से सम्पूर्ण रायसेन जिले को 30 जून तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करते हुए मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत नए निजी नलकूप/हैण्डपम्प खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जारी आदेश के तहत सम्पूर्ण रायसेन जिले में बिना सम्यक अनुमति के कोई भी निजी नलकूप/हैण्डपम्प का खनन नहीं किया जाएगा। इस आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करते हुए दण्डित किया जाएगा। कलेक्टर विश्वकर्मा द्वारा नलकूप खनन अनुज्ञा जारी करने के लिए संबंधित एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्राधिकार के लिए अधिकृत किया गया है। यह आदेश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं अन्य शासकीय विभागों पर शासकीय योजनाओं के अंतर्गत किए जाने वाले नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जिले में भू-जल स्तर में गिरावट आने से पेयजल स्त्रोंतो का जल स्तर प्रभावित हो रहा है। गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए तथा जिले में पेयजल एवं घरेलू प्रयोजनों के लिए जल समस्या को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण रायसेन जिले में मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम-1986 के तहत सम्पूर्ण जिले को आज दिनांक से 30 जून 2025 तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करते हुए अधिनियम उपबंध लागू किए गए हैं।

कन्या विवाह, निकाह योजना में 30 को सामूहिक विवाह सम्मेलन

रायसेन, देशबन्धु। जिले के सांची जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बीदपुरा में मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत 30 अप्रैल को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विवाह दिनांक तक वर की आयु 21 वर्ष एवं वधु की आयु 18 वर्ष पूर्ण होना आवश्यक है। इस सम्मेलन में विवाह/निकाह योग्य पात्र जोड़ों के आवेदन पत्र ग्राम पंचायतों के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। निर्धारित दस्तावेजों में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र, आयु प्रमाण पत्र, आधार, समग्र आईडी, वधु का बैंक खाता एवं समग्र आधार ईकेवायसी के साथ ग्राम पंचायत में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जनपद कार्यालय सांची में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है। अंतिम तिथि के पश्चात आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

जिला स्तरीय कृत्रिम अंग और उपकरण वितरण शिविर आज

रायसेन, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग रायसेन तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्कों उज्जैन द्वारा रायसेन स्थित सामाजिक न्याय विभाग दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र रायसेन में 23 अप्रैल को प्रात: 10 बजे से दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया है। इस जिला स्तरीय शिविर में भारत सरकार की एपिड योजना के अंतर्गत रायसेन जिले के 210 दिव्यांगजनों को मोट्रेट ट्रायसकिल, व्हील चेयर, हेयरिंग हेड, बैसाखी, कैलीपर्स, ट्रायसकिल सहित कुल 343 कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

करंट लगने से युवक की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजपुर थाना क्षेत्र के बिकौरा गांव में करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई है। बताया गया है 24 वर्षीय अजय पटेल छतरपुर में रहकर विश्वविद्यालय से एमए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। वह कुछ दिन पहले ही अपने गांव आया था। वह जब घर में पानी पीने के लिए गया, तभी पैर फिसल जाने से वह एक खुले तार के संपर्क में आ गया। जिससे करंट लग जाने से वह बुरी तरह से झुलसकर बेहोश हो गया। एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। टीआई प्रशांत सेन ने बताया मंगलवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराके परिजनों को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों की पुष्टि होगी।

जनसुनवाई: कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

आवास, अतिक्रमण और खाद्यान्न न मिलने की शिकायत सहित आए 94 आवेदन

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में आए गैरतगंज तहसील के ग्राम अंधियारी निवासी श्री हाथीराम पिता श्री हल्केवीर ने भूमि पर कब्जा दिलाने संबंधी आवेदन देते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा को बताया कि ग्राम जमुनियाखास में 2.923 हैक्टेयर कृषि भूमि उसके नाम दर्ज है, जिस पर पड़ोसी किसानों द्वारा कब्जा कर रखा है। न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त गढ़ी तहसील गैरतगंज में धारा 250 का प्रकरण लगाया था जिसमें उसे भूमि का कब्जा दिलाने का आदेश हुआ है, लेकिन आज दिनांक तक उसे भूमि का कब्जा नहीं मिला है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से गैरतगंज तहसीलदार को भूमि का कब्जा दिलाए जाने संबंध में निर्देश दिए।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत पठारी अंतर्गत ग्राम खेडा टोला निवासी ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देते हुए बताया कि उनके टोला में लगभग 10-15 परिवार निवास करते हैं, लेकिन पानी की सुविधा नहीं होने से उन्हें खेतों में से कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है, जिसमें काफी परेशानी हो रही है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कार्यपालन यंत्री पीएचई को ग्रामीणों की पेयजल समस्या का शीघ्र समाधान करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्राम वावलिया निवासी पूनम ने कलेक्टर श्री विश्वकर्मा को आवेदन देते हुए बताया कि वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। पहले उसका नाम पिता की खाद्यान्न पर्ची में जुड़ा था, लेकिन पिता की मृत्यु के बाद उसका नाम खाद्यान्न पर्ची से कट गया है। जिस कारण उसे खाद्यान्न नहीं मिल रहा है। कलेक्टर द्वारा डीएसओ को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में लगभग 94 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त अधिकांश आवेदन पीएम आवास, अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, आर्थिक सहायता, विद्युत सहित योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, डिप्टी कलेक्टर्स सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

पर्यटक स्थल से शराब दुकान हटाने की मांग, शिवसेना उद्धव ने सौंपा ज्ञापन

रायसेन, देशबन्धु। पर्यटक स्थल सांची से शराब दुकान हटाए जाने की मांग को लेकर शिवसेना उद्धव के संभाग प्रमुख सत्येंद्र सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वाहन रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि शराब दुकान के ठेकेदार द्वारा सांची के आसपास अवैध तरीके से शराब का विक्रय कराया जा रहा है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में शांति व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है तथा वहीं दूसरी ओर असामाजिक तत्वों का सांची में जमावड़ा होने के साथ कई अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही है। शराब माफिया द्वारा गांव-गांव में शराब बिक्री होने से प्रशासन के प्रति जनता में असंतोष है। शिवसेना उद्धव ने ज्ञापन के माध्यम से समुचित कार्यवाही करते हुए सांची विश्व पर्यटन बौद्धिक स्थल से शराब दुकान का लाइसेंस निरस्त करने के साथ शराब दुकान को हटाने की मांग की।

सिविल अस्पताल बरेली में डायलिसिसि सेवा शुरू होने से मरीजों को मिली राहत

रायसेन, देशबन्धु। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के विशेष प्रयासों से सिविल अस्पताल बरेली में डायलिसिस सेवा प्रारंभ होने से बरेली और आसपास के क्षेत्रों के किडनी रोग से ग्रसित मरीजों को बहुत सुविधा हो गई है। अब मरीजों को डायलिसिस के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। मनकापुर निवासी 30 वर्षीय जीतेन्द्र ठाकुर ने बताया कि वह किडनी रोगी है तथा उनका ट्रांसप्लांट मुम्बई के बाम्बे अस्पताल में हुआ था। कुछ समय बाद उन्हें डायलिसिस की जरूरत पड़ने लगी, जिसके लिए उन्हें बार-बार भोपाल जाना पड़ता था, लेकिन अब बरेली सिविल अस्पताल में ही डायलिसिस सेवा प्रारंभ होने से उन्हें बहुत सुविधा हो गई है। अब सप्ताह में दो बार डायलिसिस बरेली सिविल अस्पताल में ही करा रहे हैं। इसके लिए जीतेन्द्र ठाकुर ने स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हैं।

स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने जल स्त्रोतों के आसपास सफाई कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया

रायसेन, देशबन्धु। प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य में प्राथमिकता में किये जा रहे है। जनसामान्य को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर जल संरचनाओं के संरक्षण किये जाने की शपथ भी दिलाई जा रही है।

इसी क्रम में बाड़ी जनपद के ग्रामों में स्व-सहायता समूहों की दीदीयों द्वारा जल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई की गई और ग्रामीणों को जल संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया। इसी प्रकार जिले के विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा जल संरक्षण व जल संचयन हेतु शपथ ली गई। शा.उ.मा.वि.बनगवाँ विकासखण्ड-साँची जिला-रायसेन में राष्ट्रीय जल मिशन अन्तर्गत समस्त छात्र -छात्राओं एवं समस्त शाला परिवार द्वारा जल संरक्षण व जल संचयन हेतु शपथ जल शपथ का आयोजन किया। जिले के शासकीय उ.मा.विद्यालय नूरगंज में जल ही जीवन है और जल संरक्षण विषय पर स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा चित्र बनाकर नागरिकों को जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया गया।

बेघर होने के 4 वर्ष बाद भी 60 परिवारों को नहीं मिला पट्टा, जनसुनवाई में बताई समस्या

देवास, देशबन्धु। नागदा सात खोरी में वर्षो से निवास कर रहे 60 घुम्मकड़ जाति के परिवारों को शीघ्र पट्टा दिए जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय घुम्मकड़ जनजाति नाथ समाज जिलाध्यक्ष भगवान सिंह नाथ के नेतृत्व में नाथ समाज के पीड़ित मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन लेकर पहुंचे। पीड़ितों ने कलेक्टर से गुहार लगाते हुए कहा कि पट्टे की मांग को लेकर अब तक 50 बार आवेदन दे चुके है, लेकिन संतोषजनक जवाब नही मिला है। नागदा में हम व हमारे पूर्वज विगत 30 वर्षो से निवास कर रहे थे। उसके बाजवूद हमें यहां से हटा दिया गया।

हमें नई जगह जो कि नागदा सात खोरी के नाम से स्थित है वहां दी गई, जिस पर हम समस्त कालोनी वासी विगत 4 वर्ष से रह रहे है। लेकिन अभी तक हम उक्त स्थान पर झोपड़ी में रह रहे है। जिसका अभी तक पट्टा नहीं दिया गया है, जिससे हम शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित है। कई बार आवेदन देने के बावजूद हमारी समस्या का निराकरण नही हो रहा है। हमारे बच्चे जो कि अभी वर्तमान में स्कूल नहीं होने के कारण घर से बेघर होने के चलते पढाई आदि से वंचित है। जिससे उनका भविष्य खराब होने की आशंका है। हम सभी नाथ समाज के जाति के अंतर्गत आते है। पीड़ितों ने कहा कि यदि शीघ्र ही हमारी समस्या का निराकरण नही होता है तो विवश होकर हमें धरना/हडताल करनी पडेगी, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन व प्रशासन की होगी। पीडित घुमक्कड़ नाथ जाति के लोगों ने मांग की है कि शासन-प्रशासन के अधीन शीघ्र अतिशीघ्र पट्टा दिलाया जावे, जिससे आने वाली समस्याओं से हमें निजात मिल सके। इस दौरान तुफान नाथ, पप्पू नाथ, दल्ला नाथ, कैलाश नाथ, बब्लू नाथ, बसंत नाथ, सरदार नाथ, रवि नाथ, राहुल नाथ सहित बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

ऑपरेशन हवालात में 4 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार

- आरोपी पर थाना पीपलरवां में दर्ज था मामला, पुलिस की विशेष टीम गठित कर की जा रही थी तालश

देवास, देशबन्धु। जिला पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा सम्पूर्ण जिले में ऑपरेशन हवालत की शुरूआत की गई है। जिसके अंतर्गत लंबे समय से फरार इनामी बदमाशों की की गिरफ्तारी पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही गंभीर अपराधों मे फरार आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना पीपलरवां द्वारा धारा 138 एनआईए के प्रकरण के आरोपी जो 4 वर्षों से लगातार पुलिस गिरफ्त से दूर चल रहा था ऑपरेशन हवालात के तहत गिरफ्तार किया गया। इसके लिए पुलिस ने विशेष टीम गठित की थी जो कि मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयत्नशील थी 22 अप्रैल को पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि फरार स्थाई वारंटी आरोपी को देवास में देखा गया है। जिस पर तत्काल पुलिस अधीक्षक ने आरोपी की धरपकड़ हेतु टीम को रवाना किया। उक्त टीम ने 4 वर्षों से फरार आरोपी विजेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय सोनकच्छ के समक्ष पेश किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस : बच्चों ने चित्र बनाकर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

छतरपुर, देशबन्धु। 55वें विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर महर्षि विद्या मंदिर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर खास आयोजन किए गए। बच्चों ने चित्र बनाए, वाद विवाद में भाग लिया और पौधे रोपकर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

छत्रसाल चौराहे पर नुक्कड़ नाटक से पृथ्वी को सुरक्षित के लिए आमजन को जागरूक किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण को हराभरा रखने के लिए कम से कम एक-एक पौधा जरुर लगाने, गर्मियों में पक्षियों व जानवरों के लिए सकोरे व टंकियां रखकर उनमें दाना पानी रखने का संकल्प लिया गया। विद्यालय परिसर में बच्चों ने पेडों पर सकोरे टांगकर उनमें दाना-पानी रखा और कई फल वाले पौधे भी रोपे। पर्यावरण संरक्षण से संबंधित पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, वाद विवाद स्पर्धाओं में बच्चो ने उत्साह से भाग लिया। विद्यालय के पीआरओ पंकज जैन महर्षि ने बताया विद्यालय में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां कराई जाती हैं। इनमें शहर में पर्यावरण व जीवदया के क्षेत्र में कार्य करने वाली सामाजिक संस्थाओं को भी शामिल करके बच्चों को मानवीय कार्य के लिए प्रेरित किया जाता है। विद्यालय के प्राचार्य सीके शर्मा ने छात्रों से अनुरोध किया कि वे हर साल संकल्प के साथ पौधरोपण करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें और बिजली व पानी बचाएं ताकि पृथ्वी स्वच्छ व हरीभरी बनी रहे।

पानी से भरी बाल्टी में डूबकर मासूम की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के पिपट थाना के अंतर्गत मोटे का पुरवा गांव में एक डेढ़ साल की मासूम की बाल्टी में गिरकर पानी में डूब जाने से मौत हो गई है। बताया गया है कि डेढ़ वर्षीय अंशिका राजपूत दोपहर के समय अपने घर में पानी से भरी एक बाल्टी के पास खेल रही थी। इसी दौरान वह खेलते हुए बाल्टी में सिर के बल गिर गई। जैसे ही घर में लोगों ने अंशिका को पानी में गिरा देखा तो निकालकर तुरंत जिला अस्पताल लेकर आए। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम करके मामले की जांच शुरु कर दी है।

भीषण गर्मी और लू से लोगों के हाल बेहाल

- अप्रैल के अंतिम सप्ताह में बढ़ी गर्मी, तपन से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

छतरपुर, देशबन्धु। बुंदेलखंड अंचल में इन दिनों आसमान से आग बरस रही है। पारा 43 डिग्री के पार पहुंचने से लोग भीषण गर्मी और लू से बेहाल हो गए हैं। तपन के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

इस समय पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप तेज है। बुंदेलखंड अंचल में पिछले चार दिनों से प्रचंड गर्मी का एहसास होने लगा है। इस समय पश्चिम की ओर से रेगिस्तान को छूकर आने वाली हवाएं तपन को बढ़ा रही हैं। आग की तरह लपट चल रही है, जिससे ऐसा महसूस हो रहा है मानो पूरा अंचल झुलस गया हो। इस झुलसा देने वाली गर्मी से लोगों को न घर में चैन है, न बाहर। लगातार तापमान के बढ़ने के साथ लोगों की मुश्किलें भी बढ़ रही हैं। भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं, वहीं जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाने से लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है।

मंगलवार का न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहा। हालत ऐसे हैं कि लोग 11 बजे के बाद अपने घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। दोपहर में बाहर निकलना मजबूरी है वे शरीर को स्टाल, चुन्नी, तौलिया, कैप, चश्मा से ढंककर ही निकल पा रहे हैं। दोपहर में गर्म हवाओं के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। दोपहर बाद सूरज ढलने पर ही लोग कुछ राहत की सांस ले पाते हैं। भीषण गर्मी से इंसानों के साथ-साथ जीव-जंतु भी प्रभावित हो रहे हैं। कई ऐसे स्थान जहां पानी का अभाव है वहां लोग दूर दूर से पानी ढोकर ला रहे हैं। जीव.जंतु भी प्यास से तड़प रहे हैं। चिकित्सकों ने लोगों को गर्मी से सावधानी बरतने की सलाह दी है।

खजुराहो में गर्मी का येलो अलर्ट, पर्यटकों की संख्या घटी: पर्यटन नगरी खजुराहो में अप्रैल माह में भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने 22 अप्रैल से खजुराहो के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। पिछले कुछ दिनों के तापमान के आंकड़े बताते हैं कि 18 अप्रैल को 44.6 डिग्री, 19 को 42.6 डिग्री, 20 अप्रैल को 43.3 और 20 अप्रेल को 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मंगलवार को भी पारा 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। स्थानीय गाइड परशुराम तिवारी ने बताया है कि मार्च के बाद खजुराहो में पर्यटन का ऑफ सीजन शुरु हो जाता है। गर्मी के कारण पर्यटक व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। विशेषकर विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी कमी आई है। पर्यटक सुबह के समय ही मंदिरों और स्मारकों का भ्रमण कर रहे हैं। अधिकांश देशी-विदेशी सैलानी होटलों में ही रुके हुए हैं। आने वाले दिनों में यहां का तापमान 47.8 डिग्री तक पहुंच सकता है। भीषण गर्मी के कारण दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है।

सार समाचार

विधायक गोपालसिंह ने मुख्यमंत्री से की भेंट

आष्टा, देशबन्धु। 6 सितंबर 2018 को नया पार्वती थाना मप्र शासन द्वारा स्वीकृत किया गया था। शुभारंभ से ही उक्त पार्वती थाना एक किराये के भवन में संचालित हो रहा है। उक्त थान के नये भवन के निर्माण हेतु पुलिस विभाग को बाईपास हाईवे पर 0.874 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर उक्त आवंटित भूमि पर पर्वती थाना का नया भवन निर्माण हेतु मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जिनके पास गृह विभाग भी है डॉक्टर मोहन यादव से मिले तथा एक पत्र उक्त भवन निर्माण हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने हेतु सौपा। विधायक इंजीनियर ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से निवेदन किया कि उक्त थाना भवन निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने विधायक की बातों को बड़ी गंभीरता से सुना एवं जल्द निर्णय का आश्वाशन दिया ।

एसडीएम की उपस्थिति में जन सहयोग से की राधाकुंड की सफाई

सिरोंज, देशबन्धु। एसडीएम हर्षल चौधरी ने आज जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन सहयोग से राधाकुंड की सफाई करवाई गई व 30 अप्रैल को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में सभी विभाग प्रमुखों के समीक्षा बैठक ली गई। अभी तक नगर पालिका सिरोंज एवं जनपद पंचायत सिरोंज के कुल 180 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। तहसील सिरोंज में आज 27 किसानों को नरवाई जलाने पर दण्डित करने हेतु प्रकरण पंजीबद्ध कर 67500 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया ।

आधार केंद्र खोले जाने की मांग

सिरोंज, देशबन्धु। जनपद पंचायत की संचार संकर्म समिति के सभापति कलेक्टर सिंह यादव ने आज जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर सिरोंज तहसील क्षेत्र में और आधार कार्ड केंद्र खोले जाने की मांग की है। ज्ञात रहे इन दिनों बच्चों के स्कूल में एडमिशन शादी विवाह योजना के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोग आधार केंद्रों की लाइन में लगे हैं यहां पर काफी अव्यवस्था और हफ्तों तक लोगों के काम नहीं हो पा रहे हैं जिससे वह अपने कार्यों का संपादन नहीं कर पा रहे हैं।श्री कलेक्टर ने कहा है कि हमारे क्षेत्र में आधार केंद्र बहुत कम है और जनसंख्या के आधार पर यह बहुत कम साबित हो रहे हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर से मांग किया कि आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि उचित संशोधन हो सके और नागरिकों के काम सुगम हो सके।

लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय में हुआ व्याख्यान माला का आयोजन

डॉ. अंबेडकर ने कुरीतियों को दूर करने विशेष योगदान दिया: प्रभाकर

सिरोंज, देशबन्धु। नगर के शासकीय लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं गुरु रविदास विश्व महापीठ के अध्यक्ष राजेश प्रभाकर, विशेष अतिथि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वय पूजा श्रीवास्तव, एलबीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत, ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी ने सर्वप्रथम बाबा साहब की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का सम्मान किया गया।

बाबा साहब के जीवन चरित्र विश्व ज्ञान पुरुष महाबोधिक, महामानव, सामाजिक सरोकारों से सम्मानित विषय पर जिला समन्वयक पूजा श्रीवास्तव द्वारा व्याख्यान दिया गया साथ ही मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्पों के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान को और अधिक जन जागरूकता हेतु प्रचार प्रसार पर जोर दिया।

विगत दिनों जिन्होंने दीवार लेखन, शपथ ग्रहण, ग्राम रैली व संगीत के माध्यम से कार्य किये उनके कार्यों को सराहा गया। इस दौरान मुख्य अतिथि राजेश प्रभाकर ने डॉ. अंबेडकर के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा बाबा साहेब ने छुआछूत की कुरीतियों को मिटाने में विशेष योगदान दिया। किन्तु समाज में आज भी यह कुरीति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। इस पर कार्य करने की आवश्यकता हैं। प्राचार्य लालचंद राजपूत द्वारा भी बाबा साहब के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान नवांकुर संस्थाओं के प्रमुख प्रमोद रघुवंशी, अंकित पाठक, रामचरण कुर्मी, देवेंद्र विश्वकर्मा मेंटर माधुरी देवलिया, नरेंद्र दांगी, इंदर रघुवंशी, कृष्णचंद पटेल सहित प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

महिलाएं आत्मनिर्भर होकर हर क्षेत्र में आ रही आगे: मेवाड़ा

आष्टा, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने का काम कर रही है। हर क्षेत्र में महिलाओं को पुरूषों के बराबर आने का अवसर प्रदान कर रही है। पहले महिलाओं को घर-गृहस्थी के काम तक सीमित रहना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नही है। महिलाएं आत्मनिर्भर होकर हर क्षेत्र में पुरूषों को टक्कर दे रही है। इस आशय के विचार नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में महिलाओं के मैत्री ग्रुप द्वारा मेडी सेवा के सहयोग से रॉयल मार्केट सिविल अस्पताल के पीछे आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने व्यक्त किए।

शिविर में डॉ. सपन पलोड़ द्वारा आंखों के मरीजों की जांच कर ऑपरेशन योग्य मरीजों को चिन्हित किया गया तथा डॉ. हर्षल हुरकट हड्डी और जोड़ रोग विशेषज्ञ द्वारा आने वाले लोगों की जांच कर उपचार किया गया। इस अवसर पर दिलीप सेठी, नरेन्द्र गंगवाल, राहत अली, रजनीश सुराना, श्रद्धा गंगवाल, मोनिका सुराना, साधना रांका, मोना कौचर, पूजा बड़जात्या, सुनीता सोनी, रेणु गोखरू, अंजू जैन, रंजना जैन, जाग्रति गुलवानी आदि मौजूद थे।

सेन समाज मंदिर में मांगलिक भवन निर्माण के लिए विधायक देंगे 5 लाख

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर के बरेठ रोड स्थित सेन समाज मंदिर परिसर में मांगलिक भवन का निर्माण किया जाना है।

धर्मशाला का कार्य अभी निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है, मंदिर परिसर में कई समाज के लोगों द्वारा अपने कार्यक्रम को संपन्न किया जाता है, लेकिन धर्मशाला का निर्माण अधूरा होने के चलते आयोजन करने वाले लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है और मंदिर में होने वाले बड़े स्तर के आयोजनों में समस्या उत्पन होती है। जिसको लेकर मंगलवार को सेन समाज मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी से विधायक कार्यालय पर पहुंचकर मुलाकात की और सेन समाज मंदिर परिसर में मांगलिक भवन के निर्माण के लिए एक आवेदन सौंपा।

जिसमें तत्काल ही विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा 5 लाख की राशि देने की घोषणा की। जिस पर सेन समाज के पदाधिकारियों द्वारा विधायक का फूलमाला से भव्य स्वागत किया। इस मौके पर संरक्षक सत्यप्रकाश सेन, संरक्षक एवं सेन समाज प्रदेश सह सचिव रामरतन सेन, मंदिर अध्यक्ष शिवनारायण सेन, पूर्व अध्यक्ष नारायण प्रसाद, गयाप्रसाद सेन, रामबाबू सेन,राहुल, मुकेश सेन, नरेश सेन, मनीष,रामकृष्ण, रविन्द्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान: नपा ने तहसील परिसर में किया 8वें प्याऊ का शुभारंभ

सिरोंज, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मंगलवार को नगरपालिका परिषद एवं जनसहयोग से लटेरी मार्ग पर गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए एक प्याऊ का शुभारंभ किया गया। लटेरी रोड पर स्थित न्यायलय परिसर एवं तहसील कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में हितग्राही एवं फरियादी आम जन पहुंचते हैं जिसको दृष्टिगत रखते विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाई जा रही प्याऊ की श्रृंखला में आज आठवीं प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

व्यवहार न्यायाधीश वर्ग एक मोना शुक्ला पाण्डेय एवं सुश्री अंकिता जैन ने परिसर में स्थापित हुई इस आकर्षक तरीके से सजाई गई प्याऊ का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर उपस्थित नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने कहा कि विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर शहर में लगाई गई आठ प्याऊ के अलावा स्थानीय बस स्टैंड एवं थाने के पास, वलेजा पेट्रोल पंप,छतरी चौराहे पर पानी पिलाने वाले नपा कर्मी स्वच्छता के साथ बसों में पहुंचकर भी पानी पिला रहे हैं अथवा जो बुजुर्ग पानी लेने में प्याऊ तक आने में असमर्थ हैं उनको वही पहुंचकर पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस अवसर पर एसडीएम हर्षल चौधरी,मुख्य नपाधिकारी रामप्रकाश साहू,बीएमओ विकास सिंह बघेल, स्थानीय पार्षद राजा मिया,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना सहित पार्षदगण तथा नागरिक मौजूद रहे।

2 अवैध कॉलोनियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

गंजबासौदा, देशबन्धु। मंगलवार सुबह राजस्व विभाग द्वारा दो अवैध कॉलोनियों पर अनुविभागीय अधिकारी विजय राय के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। राजस्व अमला सबसे पहले ग्राम बरेठ के बस स्टैंड पर पहुंचा।

जिसके बाद यहां मुस्कान कृषि फार्म का मुख्य द्वार तोड़ा गया। साथ ही उस जगह पर अन्य अवैध निर्माण भी हटाए गए। इसके बाद राजस्व अमला ग्राम गंज बायपास मार्ग स्थित आदर्श बिहार पहुंचा। जहां पर प्रशासन की जेसीबी की मदद से अतिक्रमण को हटाया गया। दोनों कॉलोनियों में बिना राजस्व विभाग की अनुमति के निर्माण कार्य किए गए थे।

कॉलोनाइजरों को इस संबंध में कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन उन्होंने अवैध निर्माण नहीं हटाए। इसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाए। अनुविभागीय अधिकारी विजय राय ने बताया कि कलेक्टर के आदेश पर दोनों कॉलोनाईजरों पर कार्रवाई की गई है। इन कॉलोनाईजनरों पर पहले से भी एफआईआर दर्ज है। दोनों कॉलोनियों में अवैध कालोनियों में अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा था। जबकि दोनों संचालकों पर पहले से एफआईआर दर्ज है। जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

बिना अनुमति जिले की सीमा में प्रवेश और खनन करने पर बोरवेल मशीन जब्त

सीहोर, देशबन्धु। सीहोर जिले शाहगंज निवासी दिनेश साहू की शिकायत पर शाहगंज के ग्राम बांसगहन में बिना अनुमति के बोरवेल खनन करने पर मशीन चालक प्रभुराम, सुपरवाईजर बालाजी एवं शाहगंज के ग्राम बांसगहन निवासी देवेंद्र सिंह के विरूद्ध शाहगंज थाने की बकतरा चौकी में बीएनएस की धारा 223 बी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसके साथ ही बोरवेल मशीन को जब्त कर लिया गया है।

शिकायत प्राप्त होने पर शाहगंज के नायब तहसीलदार रीतेश जोशी, पटवारी एवं पुलिस बल के साथ ग्राम बांसगहन के किसान देवेन्द्र सिंह के खेत पर पहुंचे और खेत पर बोरवेल मशीन चलती हुई पायी गयी। अधिकारियों द्वारा बोरिंग मशीन के ग्रामीण सीमा में प्रवेश और बोरवेल खनन की अनुमति के बारे में पूछने पर पता चला कि बोरवेल मशीन के प्रवेश एवं बोरवेल खनन के लिए कोई अनुमति नही ली गई है। बिना अनुमति के बोरवेल खनन करने तथा ग्रामीण सीमा मे प्रवेश करने पर बोरवेल मशीन जब्त कर बकतरा पुलिस चौकी भेजी गयी है। इसके साथ ही रतलाम जिला निवासी बोरवेल मशीन चालक प्रभुराम, तमिलनाडु राज्य निवासी सुपरवाईजर बालाजी तथा ग्राम बांसगहन निवासी देवेन्द्र सिंह के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के ने गिरते भूजल स्तर एवं पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए जिले की सीमा में बोरवेल मशीन के बिना अनुमति प्रवेश करने तथा बिना अनुमति बोरवेल खनन

क्रिकेट टेनिस बॉल टूर्नामेंट का समापन

सिरोंज, देशबन्धु। ग्राम भियांखेडी में चल रहे ग्रामीण क्रिकेट टेनिस बॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में विजेता टीम ग्राम भियाखेडी को प्रथम पुरस्कार 31 हजार रुपए एवं शिल्ड सरपंच नीलम समुंदरसिंह यादव द्वारा दिया गया।

उपविजेता टीम देहरी को द्वितीय पुरस्कार 21 हजार रुपए एवं शिल्ड भगवत गुर्जर द्वारा दिया गया और तृतीय पुरस्कार रामबाबू अहिरवार द्वारा दिया गया। मेन ऑफ द सीरीज दिनेश शर्मा द्वारा रेंजर साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम में थाना प्रभारी मुगलसराय और रमाकांत शर्मा, बबलू यादव, राजू शर्मा, गेंदा लाल, सचिन यादव, रामकुमार यादव, भूरा विश्वकर्मा, मुलायम सिंह यादव, मोंटी यादव, बृजेश यादव एवं समस्त ग्रामीण, क्षेत्रवासी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

कई कार्यक्रमों में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री सिंह

आष्टा, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह अपने प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

चंद्रवंशी खाती समाज के सामाजिक कार्यक्रम के उपरांत पूर्व ब्लाक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष एजाजुर रहमान भैया एमपी की पुत्री के विवाह के अवसर पर उनके निवास पर पहुंचे।

परिवारजनों को बधाई दी और उनकी पुत्री को आशीर्वाद प्रदान किया। इसके उपरांत दिग्विजय सिंह पूर्व पार्षद ओम नामदेव एवं पूर्व पार्षद वसींमएउद्दीन जिनका विगत दिनों देहांत हो गया था उनके निवास पहुचे और श्रद्धांजलि अर्पित की।

वन माफिया के खिलाफ सप्ताह भर में 3 बड़ी कार्रवाई

आष्टा, देशबन्धु। वन विभाग द्वारा वन माफिया के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में रेंजर नवनीत झा को निरंतर सफलता मिल रही है। जिसमें उनके द्वारा सागौन लकड़ी का अवैध कारोबार करने वालों के विरूद्ध एक के बाद एक लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिससे वन माफिया में दहशत का माहोल बना हुआ है। डीएफओ मगन सिंह डाबर के निर्देश एवं एसडीओ एलविन बर्मन के मार्गदर्शन में रेंजर नवनीत झा लगातार वनक्षेत्र में गश्त कार्य कर रहे है। एक सप्ताह में तीसरी बड़ी कार्यवाही की गयी।

परिक्षेत्र सहायक वृत्त सिद्धीकगंज के अन्तर्गत ग्राम धुराड़ाकलां में सागौन की लकड़ी का अवैध करोबार करने वाले आरोपी के यहां दबिश दी। जिसमें सागौन के सोफे एवं पल्ले बनाने के लिये लकड़ी तैयार की जा रही थी। तभी रेंजर झा एवं उनकी टीम ने

घेराबंदी की गयी। सागौन लकड़ी जप्त की गयी।

रेंजर नवनीत झा ने बताया कि ग्राम धुराड़ाकलां में आरोपी धरम पिता अम्बाराम विश्वकर्मा द्वारा अपने निर्धारित स्थल से अलग स्थल पर अवैध रूप से फर्नीचर बनाने का कार्य किया जा रहा था। जिसकी मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त होने पर तत्काल बताये गये स्थल पर टीम के साथ पहुंचे। जहां पर पाया कि अवैध रूप से फर्नीचर निर्माण का कार्य किया जा रहा था। जिसके बाद मौके से एक बड़ी कटर मशीन, दो छोटी कटर एवं अन्य छोटे-बड़े औजार सहित सगौन इमारती चरपट लकड़ी 62 नग जब्त की गयी। जिसका घन मीटर 0.100 कीमत 50 हजार रूपये आंकी गयी। लकड़ी जब्त कर आरोपी धरम पिता अम्बाराम विश्वकर्मा निवासी धुराड़ाकला के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

इस कार्रवाई में रेंजर नवनीत झां, डिप्टी रेंजर रमेशचन्द्र गहरवाल, शैलेष कुमार सिंह, श्रीमती रंजना भालसे, वनरक्षक फैसल बर्नी, जितेन्द्र ठाकुर, देवेन्द्र नायक, राहुल परमार, हुकुम परमार, प्रदीप मलोटिया, सावित्री मरकाम, स्थायीकर्मी कैलाश वर्मा सहित वनकर्मीयों का सरहानीय भूमिका रही।

नि:शुल्क संस्कृत संभाषण कक्षा एवं बाल संस्कार शाला का समापन

आष्टा, देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के सहयोग से संस्कृत भारती द्वारा आयोजित सरल संस्कृत संभाषण कक्षा का संचालन गायत्री शक्तिपीठ पर किया गया । जिसमें नगर के 40 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन करा कर 20 दिवस में संस्कृत भाषा में संभाषण करने का ज्ञान अर्जित किया । छात्रों को श्रीमती बसंती यादव प्रशिक्षिका द्वारा नियमित रूप से समय शाम 5:00 बजे से 6:30 तक शिक्षण कार्य कराया गया । इस कक्षा में बच्चियों को प्रोत्साहित करने हेतु गायत्री शक्तिपीठ की ओर से वस्त्र भेंट किए गए।

समापन के अवसर पर बालक तेजस साहू और कुमारी अश्विनी कुशवाह ने अपने अनुभव संस्कृत में व्यक्त किए। कार्यक्रम में आरंभ से समापन तक अजब सिंह राजपूत बी.आर. सी. सी. पंडित संतोष शर्मा नारायण सिंह ठाकुर,श्रीमती गायत्री सोनी अजेंद्र सिंह यादव, एम. आर. पाल्वे , .एल.नागर, विक्रम सिंह मोहन सिंह अजनोदिया एवं समस्त गायत्री परिवार ने सहयोग प्रदान किया । कार्यक्रम का सफल संचालन संजय जैन शिक्षक द्वारा किया गया।

खेल जगत

केकेआर जीतने के लिए नहीं खेल रहा था : फिंच

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने गुजरात टाइटन्स से 39 रन की हार में कोलकाता नाइट राइडर्स की तत्परता की कमी की आलोचना की, इसे रणनीतिक गलत निर्णय और डरपोक बल्लेबाजी का मामला बताया। उनके सबसे कड़े शब्द वेंकटेश अय्यर के लिए आरक्षित थे, जिन्होंने 19 गेंदों पर धीमी गति से 14 रन बनाकर केकेआर के लक्ष्य का पीछा करने में बाधा डाली। फिंच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के टाइम आउट पर कहा कि अगर आप बाउंड्री लगाने के बारे में नहीं सोच रहे हैं तो आप स्कोर नहीं कर सकते। वेंकटेश की पहली प्रवृत्ति बस लेग साइड में टैप करना और एक रन लेना था। इस तरह से आप 200 रन का पीछा नहीं करते हैं। वेंकटेश पावरप्ले के अंदर केकेआर के 2 विकेट पर 43 रन पर चौथे नंबर पर आए।

मुंबई अब हैदराबाद को हराकर फिर श्रेष्ठता साबित करने उतरेगी

■ हैदराबाद के लिए मुंबई से हिसाब चुकता करना आसान नहीं

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (देशबन्धु)। अपने धुरंधर बल्लेबाज रोहित शर्मा के सूर्य कुमार यादव के साथ आतिशी अविजित अर्द्धशतक और दूसरे विकेट की 114 रन की अटूट भागीदारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को रिटर्न मैच में नौ विकेट से हरा उससे आईपीएल 2025 में अपने मैच में मिली चार विकेट से हार का हिसाब चुकता कर लगातार तीसरी और मौजूदा सीजन में आठ मैचों में कुल चौथी जीत दर्ज की। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद से पिछले पांच में चार मैच जीते हैं। अब पूरे रंग में लौट चुकी हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस अब रिटर्न मैच में भी सनराइजर्स हैदराबाद को बुधवार को उसके घर हैदराबाद में हरा एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित करने के साथ अंक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करने के लिए इरादे से उतरेगी। अपने कप्तान हार्दिक पांड्या और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज भारत के जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट व दीपक चाहर जैसे तेज गेंदबाज की चतुर चौकड़ी की बदौलत ट्रेविस (अभिषेक शर्मा व ट्रेविज हेड)की सलामी जोड़ी को बांध कर उसकी आतिशी आगाज की मंशा पर पानी फेर उसे अभिषेक की 40 रन की तेज पारी के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद को 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन पर रोकने के बाद शीर्ष क्रम में विल जैक की 26 गेंदों में 36 रन की तेज पारियों की बदौलत 11 गेंदों के बाकी रहते छह विकेट पर 166 रन पर बनाकर मैच जीता था। बेशक सनराइजर्स हैदराबाद की कोशिश मुंबई इंडियंस से हिसाब चुकता करने की होगी लेकिन मेहमान टीम के मौजूदा फॉर्म और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की चोट के बाद कामयाब वापसी और कामचलाउ ऑफ स्पिनर विल जैक के गेंद से अहम योगदान के चलते यह कतई आसान नहीं होगा। मुंबई इंडियंस आठ मैचों में चार जीत के साथ छठे और सनराइजर्स सात मैचों में मात्र दो जीत के साथ दस टीमो में नौवें स्थान पर है। बेशक अभिषेक शर्मा व ट्रेविज हेड की सलामी जोड़ी और इशान किशन जैसे अपने विस्फोटक बल्लेबाजों पर और कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस व ईशान मलिंगा पर ही सनराइजर्स हैदराबाद की जीत का दारोमदार है। दिलचस्प बात यह है कि मौजूदा आईपीएल में अब तक जड़े कुल तीन में से दो सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने जड़े हैं जबकि इन दोनों के अलावा इकलौता शतक पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य ने जड़ा है। दरअसल सनराइजर्स हैदराबाद मैच और पिच के मिजाज को जेहन में रखे बिना केवल और केवल अकेले पहली ही गेंद से दे दनादन और टॉप गियर में बल्लेबाजी करने की कोशिश में बराबर गच्चा खा रही है और इसलिए वह शुरू के सात में मात्र दो ही जीत पाई जबकि पांच में उसे हार झेलनी पड़ी है। मुंबई इंडियंस ने जिस रणनीति से वानखेड़े में गेंदबाजी कर हैदराबाद के अभिषेक और हेड को रोका था उसकी काट खोजना मुंबई के बुमराह , हार्दिक व दीपक चाहर जैसे चतुर तेज गेंदबाजों की मौजूदगी में कतई आसान नहीं होगा। मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी बात है कि उसके 360 डिग्री सूर्य कुमार यादव आठ मैचों में दो अर्धशतक सहित दो बार अविजित राह 333 रन बना रन बनाने में चौथे , तिलक वर्मा आठ मैचों में दो अर्धशतक सहित 230 रन सलामी बल्लेबाज रेयन रिकल्टन एक अर्धशतक सहित कुल 204 रन, रोहित शर्मा 8 मैचों में एक अर्धशतक सहित कुल 158, हार्दिक पांड्या सात मचो में 104 रन बनाए हैं। मुंबई की चिंता सात मैचों विल जैक का मातर 91 रन बनाना है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए हर्षल पटेल ने छह मैचों में 9 विकेट, कप्तान पैट कमिंस ने सात मैचों मे सात,मोहम्मद शमी ने सात मैचों में पांच, बाएं हाथ के स्पिनर जीशान अंसारी ने पांच मैचों में चार विकेट चटकाए हैं।पिछले मैच में खासतौर पर मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, कप्तान हार्दिक पांड्या, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर जैसे तेज गेंदबाजों ने जिस तरह रफ्तार व चतुराई से गेंदबाजी की उसके सामने अकेले अभिषेक शर्मा ने 40 रन की सबसे बड़ी पारी जरूर खेली लेकिन खुल कर बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे। अब मौजूदा आईपीएल अपना पहला पड़ाव पार कर दूसरे और आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ चुका है। ऐसे में बराबर मैचों के बाद पिच पर अब स्पिनरों का रोल अहम होता जाएगा। मुंबई के पास पर बाएं हाथ के मिचेल सेंटनर, विगनेश पुतुर के साथ कर्ण शर्मा जैसे सदाबहार स्पिनर तथा विल जैक जैसा कामचलाऊ तेज गेंदबाजों की चौकड़ी के साथ उसके गेंदबाजी आक्रमण को और धारदार बना सकता है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ट्रेविज हेड सात मैचों में दो अर्धशतक सहित 242 रन, अभिषेक शर्मा एक शतक सहित 232 रन बना , अपने अर्धशतक तक को तरस रहे विस्फोटक हेनरिक क्लासेन सात मैचों में मात्र 210 रन, अनिकेत वर्मा 7 मैचों में एक अर्धशतक सहित 159, नीतिश रेड्डी सात मैचों केरु कुल 131 रन बनाए है। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने सात मैचों में 11 विकेट, विगनेश पुतुर 4 मैच 6 विकेट, अश्विन कुमार 3 मैच 6 विकेट, दीपक चाहर 8 मैच 6 विकेट , ट्रेंट बोल्ट 8 मैच 6 विकेट, कर्ण शर्मा 2 मैच में 4 विकेट, जसप्रीत बुमराह ने चार मैचों में चार विकेट चटकाए हैं।खासतौर पर बुमराह की चतुराई के सामने शुरू और आखिरी के मारधाड़ वाले ओवर में भी रन बनाना हेड व अभिषेक ही नहीं दुनिया के किसी भी गेंदबाज के लिए बड़ी चुनौती है।

रोहित जब रंग में आते तो प्रतिद्वंदी पस्त हो जाते हैं : पांड्या

हम जिस तरह से क्रिकेट खेल रहे हैं मुझे मालूम था कि यह बड़े स्कोर वाला मैच होने वाला है।रोहित और सूर्य कुमार यादव ने जिस अंदाज में बल्लेबाजी बाहर बैठ कर इसे देखना राहत देने वाला था। आपको रोहित की फॉर्म को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। रोहित इसी अंदाज में लय में आते हैं। हमें मालूम है रोहित जब रंग में आते हैं तो प्रतिद्वंद्वी टीम पूरी तरह पस्त हो जाती है। सूर्य कुमार यादव ने उनके साथ बढ़िया कदमताल की। अब टीम में सभी रंगत पा योगदान कर रहे हैं। अब बेसिक्स पर काबिज हैं। हम कुछ चमत्कारिक करने की कोशिश की बजाय सामान्य औसत क्रिकेट खेल रहे हैं। हमने गेंदबाजों ने रन दिए और हम जानते थे कि सीएसके का 175 रन सामान्य से कम है। हम बहुत अच्छे से बहुत दूर नहीं है। हम यह जानना था कि उन गेंदों को देखना होगा जिन पर हम विकेट गंवा रहे थे। हमने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गति में बदलाव का चतुराई से इस्तेमाल किया। यॉर्कर का भी चतुराई से इस्तेमाल किया।

मंधाना और बुमराह को विज्डन का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का सम्मान

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। विज्डन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जसप्रीत बुमराह को वर्ष 2024 के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। वर्ष 2024 के लिए विज्डन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना और पुरुष टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को विश्व का सर्वश्रेष्ठ

क्रिकेटर चुना है। जसप्रीत बुमराह को 2024 मे औसत 14.92 रहा और स्ट्राइक रेट 30 से रिकॉर्ड तोड़ 71 टेस्ट विकेट लिए और टी-20 विश्वकप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने अकेले 13.06 की औसत से 32 विकेट झटके। महिला वर्ग में स्मृति मंधाना ने पिछले वर्ष तीनों प्रारुपों टी-20, एकदिवसीय और टेस्ट मैच में 1659 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। मधाना ने यह उपलब्धि दो बार पाने वाले पहली भारतीय महिला खिलाड़ी है। बीते वर्ष उन्होंने चार एकदिवसीय शतक और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट शतक (149 रन) बनाया था।

पुजारा ने केकेआर की बल्लेबाजी को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने गुजरात टाइटन्स से 39 रन से हारने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स की खतरनाक बल्लेबाजी पर सवाल उठाया है। उन्होंने न केवल वेंकटेश अय्यर की मंशा की कमी बल्कि टीम की योजना और डगआउट से संचार पर भी सवाल उठाए हैं। वेंकटेश को गुजरात के बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर और लेग स्पिनर राशिद खान का मुकाबला करने के लिए नंबर 4 पर पदोन्नत किया गया था। हालांकि, बाएं हाथ का यह बल्लेबाज इस कदम को सही साबित करने में विफल रहा और 19 गेंदों पर बिना कोई बाउंड्री लगाए 14 रन बनाए। पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट पर कहा कि मैं इस बात से सहमत हूं कि वेंकटेश ने वह भूमिका नहीं निभाई जो उसे निभानी चाहिए थी। लेकिन क्या उसे सिर्फ टिके रहने के लिए कहा गया था? क्या डगआउट से यह संदेश था कि जब राशिद गेंदबाजी कर रहे हों तो बस इधर-उधर घूमें? पुजारा के लिए, यह सिर्फ व्यक्तिगत निर्णय लेने की बात नहीं थी, बल्कि सामरिक स्पष्टता का एक बड़ा सवाल था। टाइमआउट किसी कारण से होते हैं। जब आपको लगता है कि चीजें काम नहीं कर रही हैं, तो सपोर्ट स्टाफ को हस्तक्षेप करना चाहिए और स्पष्ट निर्देश देना चाहिए। ऐसा लगता है कि यह गायब था। पुजारा ने केकेआर की गेंदबाजी पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसके बारे में उनका मानना है कि जीटी ने ऐसी सतह पर 198 रन बनाए जो स्कोर के हिसाब से उतनी सपाट नहीं थी। पिच में पर्याप्त टर्न था। अगर आप ऐसी सतह पर आखिरी पांच ओवरों में 60 से ज्यादा रन दे रहे हैं, तो आपका निष्पादन कमजोर है। उन्हें उनको 180 के आसपास सीमित रखना चाहिए था। केकेआर 10 ओवर के बाद 2 विकेट पर 68 रन बना चुका था, उसे 13 रन प्रति ओवर की दर से 131 रन और चाहिए थे। पिच को ठीक से पढ़ न पाने और तत्परता की कमी के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा - ठीक वैसे ही जैसे पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में हुआ था, जहां वे 112 रन का पीछा नहीं कर पाए थे। पुजारा ने कहा कि यह सिर्फ बल्लेबाजी के ढहने की बात नहीं है; यह इस बात को समझने में विफल होने की बात है कि इस समय क्या जरूरी है। वे सभी विभागों में पीछे थे - रणनीति, स्पष्टता और क्रियान्वयन।

■ मैं इस बात से सहमत हूं कि वेंकटेश ने वह भूमिका नहीं निभाई जो उसे निभानी चाहिए थी : पुजारा

केकेआर के बल्लेबाज खो चुके हैं आत्मविश्वास : ब्रावो

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे का कहना है कि उन्हें गेंदबाजों से 'कोई शिकायत नहीं' है और उनकी लड़खड़ाती बल्लेबाजी ही आठ में पांचवीं हार की मुख्य वजह है। केकेआर के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि मौजूदा चैंपियन आत्मविश्वास खो चुके हैं। केकेआर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, जिसके बाद गुजरात टाइटंस ने 198/3 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में केकेआर की टीम 159/8 पर सिमट गई और उन्हें 39 रनों से हार का सामना करना पड़ा। रहाणे ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगा कि 199 का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, और हमने गेंद से वापसी भी अच्छी की। जब आप 199 का पीछा कर रहे हों, तो आपको अच्छी शुरुआत की जरूरत होती है, जो हमारे लिए पूरे टूर्नामेंट में समस्या रही है। हमने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाजी में चूक हुई। अब हमें जल्दी से सीखना होगा और आगे बढ़ते रहना होगा। ब्रावो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आंद्रे रसेल के प्रदर्शन (छह पारियों में 55 रन, स्ट्राइक रेट 119.56) पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि हमने एक टीम के रूप में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, यही सच्चाई है।

प्रसिद्ध कृष्णा को एक खिलाड़ी के रूप में बढ़ते देखना शानदार है : इयोन मोर्गन

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को आईपीएल 2025 सीजन में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने के लिए पर्पल कैप हासिल करते देख खुश हैं। 198 रनों का बचाव करते हुए, कृष्णा ने अपने चार ओवरों में 2-25 के आंकड़े दिए, जबकि राशिद खान ने भी इसी तरह के आंकड़े दिए और कोलकाता नाइट राइडर्स को 20 ओवरों में 159/8 पर रोक दिया, जिससे जीटी को ईडन गार्डन्स में 39 रनों से जीत मिली। इस जीत ने उन्हें आठ मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर भी पहुंचा दिया। आठ मैचों में 16 विकेट के साथ, 29 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में अग्रणी विकेटटेकर है और दूसरे स्थान पर मौजूद कुलदीप यादव के साथ अच्छा अंतर रखते हैं , जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए सात मैचों में 12 विकेट लिए हैं।

वह इस समय पर्पल कैप होल्डर है, और उसकी लय लगातार बेहतर होती जा रही है। हम जानते हैं कि उसके पास काम करने के लिए

■ गुजरात की इस जीत ने उन्हें आठ मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर भी पहुंचा दिया

अतिरिक्त गति है, लेकिन आपको खेल के मध्य चरण के दौरान उसके द्वारा लाई गई ताकत की प्रशंसा करनी होगी। एक कप्तान के रूप में, एक ऐसा तेज गेंदबाज होना जो बीच के ओवरों में इस तरह का प्रभाव डाल सके, बिल्कुल अमूल्य है। मोर्गन ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि अब वह खुद को इस साल के टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाला पाता है - वास्तव में, कुछ अंतर से, चार से। एक खिलाड़ी के तौर पर उसे बढ़ते हुए, विभिन्न प्रारूपों में विकसित होते हुए और अब राष्ट्रीय

सम्मान से भी पुरस्कृत होते हुए देखना शानदार है। यह दूसरी बार भी था जब केकेआर की बल्लेबाजी पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ मात्र 112 रनों का पीछा करते हुए 16 रनों की शर्मनाक हार में ढह गई। मोर्गन ने केकेआर के प्रदर्शन और मैच में वापसी करने में उनकी असमर्थता का विश्लेषण किया, जिसके कारण गत चैंपियन को इस सीजन में लगातार दूसरी बार घरेलू हार का सामना करना पड़ा। मोर्गन ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उतनी अच्छी वापसी नहीं की जितनी हम उम्मीद करते थे। यह हमेशा एक मजबूत टीम के लिए एक अच्छा संकेत होता है, जिसमें बहुत सारे चरित्र होते हैं, लेकिन वे वही विफलताएं दिखाते हैं जो उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में दिखाई हैं।

शिवम दुबे ने तमिलनाडु के युवा एथलीटों को 7 लाख रुपए दान किए

चेन्नई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को आयोजित तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ (टीएनएसजेए) पुरस्कार और छात्रवृत्ति समारोह में 7 लाख रुपये दान करके तमिलनाडु के उभरते एथलीटों की मदद की है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल दुबे ने विभिन्न खेलों के 10 होनहार एथलीटों में से प्रत्येक को दिल को छू लेने वाली सरप्राइज पहल में 70,000 रुपये दिए। टीएनएसजेए ने शुरुआत में 10 एथलीटों में से प्रत्येक को उनकी उपलब्धियों और क्षमता को पहचानते हुए 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की थी। एथलीटों में पीबी अभिनंद (टेबल टेनिस), के.एस. वेनिसा श्री (तीरंदाजी), मुथुमीना वेल्लासामी (पैरा एथलेटिक्स), शमीना रियाज (स्क्वैश), एस. नंदना और जयंत आर.के. (क्रिकेट), कमली पी. (सफिंग), आर. अबिनया और आर.सी. जितिन अर्जुनन (एथलेटिक्स), और ए. तक्क्षंत (शतरंज) शामिल हैं। इस पहल से प्रभावित होकर दुबे ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और कहा कि यह आयोजन युवा एथलीटों के लिए वाकई उत्साहवर्धक है। ये शुरुआती उपलब्धियां उन्हें और अधिक मेहनत करने और देश को गौरवान्वित करने की प्रेरणा देती हैं।

आईपीएल 2025 : अंबाती रायडू ने शुभमन गिल की 90 रनों की शानदार पारी को सराहा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायडू ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 90 रनों की शानदार पारी की तारीफ की। सोमवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मैच में गिल ने 55 गेंदों में 10 चौके और 3 छक्के लगाकर 198/3 का स्कोर बनाने में अहम भूमिका निभाई। रायडू ने इसे 'शानदार बल्लेबाजी' करार दिया। इस पारी की बदौलत जीटी ने 39 रनों से जीत हासिल की। गिल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर 114 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसने जोस बटलर के लिए मंच तैयार किया। बटलर ने 23 गेंदों में 8 चौकों के साथ 41 रन बनाए। गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने दो-दो विकेट लिए, जिससे गुजरात टाइटंस की जीत पक्की हुई। रायडू ने हॉटस्टार पर गिल की पारी का विश्लेषण करते हुए कहा कि गिल ने मुश्किल पिच पर बेहतरीन अनुकूलन दिखाया। उन्होंने बताया कि हर्षित राणा की दो वाइड गेंदों के बाद गिल ने लय पकड़ी। रायडू ने गिल के शॉट्स की तारीफ की, खासकर सुनील नरेन के खिलाफ उनके स्लॉग स्वीप को। उन्होंने कहा कि यह आसान शॉट नहीं था। गिल ने पूरे मैदान में रन बनाए, जमीन के साथ शॉट खेले और समझदारी दिखाई। यह उनकी काबिलियत और मजबूत साझेदारी को दर्शाता है। धीमी पिच पर ऐसी बल्लेबाजी कमाल की है। रायडू ने साई सुदर्शन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सुदर्शन का पारंपरिक अंदाज देखने में मजा आता है। वह गेंद की गति का इस्तेमाल करते हैं, सटीक शॉट खेलते हैं और समझदारी से बल्लेबाजी करते हैं।

■ गिल ने पूरे मैदान में रन बनाए, जमीन के साथ शॉट खेले और समझदारी दिखाई

सार संक्षेप

शास्त्री ने सिटी को रौंदा, जुबा संघा की आसान जीत

नई दिल्ली। डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में मंगलवार को शास्त्री फुटबॉल क्लब ने सिटी एफसी को तथा महिला वर्ग की वूमेंस प्रीमियर लीग में जुबासंघा ने ईव्स स्पोर्ट्स क्लब को हराया। आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर खेले गए डीएसए सीनियर डिवीजन लीग के मुकाबले में शास्त्री फुटबॉल क्लब ने सिटी एफसी को 7-1 से रौंदकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। शास्त्री क्लब के लिए एंडी, होकिप और वंशनगलांग ने दो दो गोल किये। सेमन ने एक गोल दागा। पराजित टीम सिटी एफसी के लिए अक्षय राज ने एक गोल किया। दिन के पहले मुकाबले में अजमल एफसी ने गढ़वाल डायमंड को 2-1 से हराया। अजमल के लिए राकेश और पैसोउ ने गोल किए जबकि गढ़वाल के लिए आलतू ने गोल किया।

पंजाब कलिंगा सुपरकप के क्वार्टर फाइनल में

भुवनेश्वर। पंजाब एफसी ने राउंड ऑफ 16 के एकतरफा मुकाबले में ओडिशा एफसी को 3-0 से हराकर कलिंगा सुपर कप 2025 के क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली हैं कलिंगा स्टेडियम में सोमवार रात खेले गये मैच में पंजाब एफसी के खिलाड़ियों ने तेज आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओडिशा एफसी की खराब रक्षापंक्ति का फायदा उठाया। ओडिशा एफसी के कई बार गोल करने के मौके आये लेकिन वे उसे भुनाने में विफल रहे। असमीर सुलजिक ने (14वें) मिनट में गोलकर पंजाब एफसी को बढ़त दिलाई। एजेकिएल विडाल ने (69वें) मिनट में गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद निहाल सुदेश ने (90वें) मिनट में गोलकर स्कोर 3-0 कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी।

नजमुल शान्तो ने बंगलादेश की पारी को संभाला

सिलहट। कप्तान नजमुल शान्तो (नाबाद 60), मोमिनुल हक (47) और जाकेर अली (नाबाद 21) की जूझारू पारियों के दम पर बांग्लादेश ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मंगलवार को जिम्ब्बावे के खिलाफ दूसरी पारी में स्टंप के समय चार विकेट पर 194 रन बना लिये है। बांग्लादेश ने कल के एक विकेट पर 57 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। 20वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने महमुदुल हसन जॉय (33) को आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई।

भारत एशियन योगासन चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा, 20 देशों के 170 एथलीट लेंगे हिस्सा

■ भारत सरकार योगासन को एक वैश्विक खेल के रूप में बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से तैयार

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में योग को खेल के रूप में बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। भारत सरकार का युवा मामले और खेल मंत्रालय, साई और योगासन भारत मिलकर 25 से 27 अप्रैल 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दूसरी एशियाई योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन करेंगे। इस चैंपियनशिप

में 20 से अधिक एशियाई देशों के 170 एथलीट, 40 तकनीकी अधिकारी और 30 टीम मैनेजर और कोच भाग लेंगे। यह आयोजन योगासन को वैश्विक खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार योगासन को एक वैश्विक खेल के रूप में बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। युवा मामले और खेल मंत्रालय इस दिशा में लगातार काम कर रहा है। इसी के तहत, भारत 25 से 27 अप्रैल 2025 तक दूसरी एशियाई योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। यह चैंपियनशिप नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। इस बारे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में योगासन मूवमेंट के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से उदित शेठ (अध्यक्ष, योगासन भारत), डॉ. संजय मालपानी (अध्यक्ष, एशियाई योगासन) और डॉ. जयदीप आर्य (महासचिव, विश्व योगासन) शामिल थे। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 25 अप्रैल 2025 को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। यह भारत की योगासन को एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के रूप में बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उदित शेठ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि योगासन खेल के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि हम भारत में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहे हैं और अपने खेल के लिए एक वैश्विक मंच स्थापित कर रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय टीम को मेरी शुभकामनाएं, क्योंकि यह ऐतिहासिक क्षण प्रतिस्पर्धी खेलों में जीवन भर गूंजेगा। डॉ. संजय मालपानी ने कहा कि एथलीटों और संघों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया दिखाती है कि योगासन वैश्विक स्तर पर पहचान पाने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार का आयोजन और भी भव्य होगा।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	गुजरात टाइटंस	8	6	2	12	+0.104
2-	दिल्ली कैपिटल	7	5	2	10	+0.589
3-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	8	5	3	10	+0.472
4-	पंजाब किंग्स	8	5	3	10	+0.177
5-	लखनऊ सुपर जायंट्स	8	5	3	10	+0.088
6-	मुंबई इंडियंस	8	4	4	8	+0. 483
7-	कोलकाता नाइट राइडर	8	3	5	6	+0.212
8-	राजस्थान रॉयल्स	8	2	6	4	-0.633
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	7	2	5	4	-1.217
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	8	2	6	4	-1.392

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने में भागीदारी करे आयुष विभाग

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मेडिकल टूरिज्म एक उभरता हुआ सेक्टर है। प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आयुष विभाग भी इस क्षेत्र में भागीदारी करें। प्रदेश के हर पर्यटन स्थल, धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व के स्थलों के आसपास वैलनेस सेंटर स्थापित किए जाएं, इससे यहां आने वाले पर्यटक आयुष विभाग की प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और पंचकर्म सुविधा का भी लाभ ले सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव आयुष डी.पी. आहूजा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन में प्रदेश में जहां-जहां नए आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित किए जाने हैं, इन्हें प्रारंभ करने के लिए तेज एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएं। स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग आपसी समन्वय और तालमेल से काम करें और अधिक से अधिक मरीजों को अपनी-अपनी चिकित्सा पद्धतियों से उपचार का लाभ दें। उन्होंने कहा कि दोनों ही विभाग रोजगारपरक शिक्षा की ओर बढ़ें, ताकि प्रदेश को अधिकाधिक डॉक्टर्स एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी मिलें।

- आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को दें बढ़ावा
- प्रदेश में 5 नए आयुर्वेद महाविद्यालय तैयार, इनमें जल्द ही शुरु होगी पढ़ाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष विभाग द्वारा 543 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, 36 होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, 14 यूनानी चिकित्सा अधिकारी, 65 आयुर्वेद व्याख्याता एवं 150 से अधिक पैरामेडिकल स्टॉफ एवं संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटर की पोस्टिंग भी कर देने की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब आयुष के डॉक्टर्स गांव-गांव में उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिना किसी डिग्री के क्लीनिक चलाकर एवं घर-घर जाकर भोले-भाले ग्रामीण मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टर (क्वेक्स) पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और पारम्परिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। देश और प्रदेश में आयुर्वेदिक उपचार पद्धति की ओर लोगों का रुझान निरंतर बढ़ रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए आयुष विभाग की अपनी सभी चिकित्सा प्रणालियों यथा आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विस्तार के लिए जरूरी मानव संसाधन की पूर्ति कर अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें।

खजुराहो में योग संस्थान की स्थापना की तैयारी

प्रमुख सचिव आयुष ने बताया कि छतरपुर जिले के खजुराहो में योग संस्थान की स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का यह प्रस्ताव केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद में विचारार्थ है। कलेक्टर छतरपुर द्वारा योग संस्थान के लिए खजुराहो के समीप ग्राम खर्रोही में 25 एकड़ भूमि आयुष विभाग को आवंटित कर दी गई है। इस भूमि का केन्द्र सरकार के दल द्वारा निरीक्षण भी किया जा चुका है। जल्द ही इस पर अगली कार्यवाही होनी है। इसके साथ ही खजुराहो में ही इंटर यूनिवर्सिटी सेन्टर फॉर योगिक साइंस की स्थापना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

उज्जैन में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना के लिए प्रयास तेज

प्रमुख सचिव ने बताया कि उज्जैन जिला मुख्यालय में केन्द्र सरकार के सहयोग से अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश राज्य के चयन के लिए केन्द्र सरकार में प्रस्ताव विचाराधीन है। केन्द्र सरकार द्वारा ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के तहत प्रस्ताव मांगा गया है। राज्य सरकार द्वारा ग्रीनफील्ड प्रस्ताव भेज दिया गया है।

प्रदेश में बनेंगे 11 नए आयुर्वेद महाविद्यालय

प्रमुख सचिव ने बताया कि प्रदेश में 11 नए आयुर्वेद महाविद्यालय खोले जाने हैं। इसमें डिण्डोरी जिले में आयुर्वेद महाविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के तहत भोपाल में 50 बिस्तरीय और नरसिंहपुर में 30 बिस्तरीय नए आयुर्वेद चिकित्सालय का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा 4 तरह के जन स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसमें आयुर्विज्ञान कार्यक्रम में अब तक 85 हजार 243 विद्यार्थियों को शिक्षा दी गई। सुप्रजा कार्यक्रम में 24 हजार 442 गर्भवती माताओं को लाभान्वित किया गया है। वयो मित्र कार्यक्रम में 17 हजार 975 वृद्धजनों को लाभान्वित किया गया है। इसी तरह व्यातव्याधि, जोड़ एवं संधि रोग निवारक कार्यक्रम के तहत अब तक 26 हजार 153 से अधिक मरीजों का उपचार किया गया।

एयर एम्बुलेंस सुविधा का होगा विस्तार : डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिक देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी के सवालों की गणित के हिसाब से भी कोई तुक नहीं : चुनाव आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के विदेशी धरती से उठाए गए सवालों के एक दिन बाद आयोग के सूत्रों ने खारिज किया और कहा कि सामान्य गणित और स्थापित प्रक्रियाओं के हिसाब से वहां हुए मतदान की रफ्तार और मतदाता-सूची की शुद्धता को लेकर विपक्ष के नेता के सवालों का कोई तुक नहीं बनता ।

आयोग के एक अधिकारी ने आपना नाम जाहिर न करने की शर्त पर कहा कि 20 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र विधान सभा के चुनाव में सुबह से साम तक प्रति घंटे मतदान की जो औसत रफ्तार देखी गयी उसके हिसाब से दो घंटे में एक करोड़ 16 लाख मतदाताओं ने वोट डाले होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में चुनाव से पहले मतदाता सूचियों का संशोधित मसौदा कांग्रेस पार्टी सहित सभी दलों को दिया गया था और इतने बड़े राज्य में नौ करोड़ से अधिक नामों की सूची को लेकर उंगली पर गिनने भर की कुछ गिनी चुनी आपत्तियां ही आयी थी जिनका परिमार्जन कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि श्री गांधी ने रविवार को बोस्टन में एक कार्यक्रम में कहा था, 'महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में चुनाव आयोग ने कुछ समझौता कर लिया था' और ' सिस्टम में कुछ गड़बड़ी थी।' उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग ने शाम 5:30 पर मतादान का आंकड़ा दिया था और उसके बाद आयोग के अनुसार 7:30 तक 65 लाख लोगोंने वोट डाले। कांग्रेस नेता ने इसे असंभव बताया था। उनका गणित है कि हर मतदान में तीन मिनट का समय लगता है और इस हिसाब से वहां उस दिन मतदान केंद्रों पर रात दो बजे तक भी मतदान करने वालों की कतार समाप्त नहीं होती। उन्होंने मतदाता सूचियों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या वयस्कों नागरिकों से कहीं ज्यादा थी। आयोग के एक सूत्र ने कहा, 'महाराष्ट्र विधान सभा के चुनाव में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान केन्द्र पर पहुंचे 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किये थे और इस तरह वहां औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। इस औसत रुझान के हिसाब से अंतिम दो घंटे में लगभग 116 लाख मतदाताओं ने मतदान किया होगा। इसलिए, दो घंटों में मतदाताओं द्वारा 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से बहुत कम है।' आयोग के सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त मतदान एजेंटों के सामने मतदान कराया जाता है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने महाराष्ट्र चुनाव के अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के समक्ष जांच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई पुष्ट आरोप नहीं लगाया था।'

कांग्रेस को मजबूत करने सभी को जुटना होगा : चौधरी

संविधान बचाओ रैली 25 से

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि सबको साथ मिलकर कांग्रेस को मजबूत करने में जुटना चाहिए। अपने जिले के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की कोशिश सबको करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी और राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में श्री चौधरी ने कही। उन्होंने कांग्रेस की संविधान बचाओ अभियान पर विशेष चर्चा करते हुए कहा कि आगामी 25 से 30 अप्रैल के बीच पूरे देश में संविधान बचाव रैली आयोजित की जाएगी। इस अभियान के तहत 28 अप्रैल से ग्वालियर में एक रैली के साथ किया जाएगा। श्री चौधरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में प्रदेश कांग्रेस और जिला कांग्रेस के समन्वय से रैलियां आयोजित की जाएंगी। बैठक में बताया गया कि अलग-अलग विधानसभा स्तर पर 11 मई से 17 मई तक संविधान बचाओ रैलियों का आयोजन किया जाएगा। हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के विधायक, पूर्व जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता जनजागरण करेंगे। ईडी-सीबीआई और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, संवैधानिक संस्थाओं की अवहेलना, महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के अधिकारों पर हमलों को उजागर किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि आगामी 20 से 30 मई तक घर-घर संपर्क अभियान आयोजित किया जाएगा। जिनमें विशेष रूप से महंगाई, बेरोजगारी, संविधानिक अधिकारों के हनन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि हर कार्यकर्ता इस आंदोलन को अपनी जिम्मेदारी माने और हर गांव, हर वार्ड तक संविधान का संदेश लेकर जाए।

महुआ शराब को छोड़कर अन्य शराबों पर लगे पूर्ण प्रतिबंध : भूरिया

भोपाल, देशबन्धु। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हमारी संस्कृति और हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए हम सरकार से यह स्पष्ट मांग करते हैं कि वहां महुआ से बनने वाली शराब को छोड़कर अन्य शराबों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, क्योंकि महुआ हमारी परंपरा है पर नकली विदेशी शराब हमारे युवाओं को बर्बाद कर रही है। नकली होलोग्राम के साथ भी कई दुकानों पर शराब बेचे जाने के मामले सामने आए हैं, जिससे जहरीली शराब का खतरा भी मंडरा रहा है। श्री भूरिया ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों, खासकर गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा से लगे झाबुआ, अलीराजपुर, धार और रतलाम जैसे जिलों को शराब तस्करी के अभ्यारण बने हुए हैं। भूरिया ने कहा कि मीडिया की खबरों के हवाले से आरोप लगाया कि गुजरात बॉर्डर से लगे झाबुआ और आलीराजपुर में शराब तस्करी के लिए 7 कॉरिडोर बना दिए गए हैं। वहां शराब दुकानों को गुजरात बॉर्डर से 400 मीटर से लेकर 5 किलोमीटर तक की दूरी पर खोला गया है, जिससे सुगमता से शराब तस्करी की जा सके। भूरिया ने बताया कि गुजरात से लगे सीमावर्ती गांवों में एक-एक शराब दुकान का ठेका 13-13 करोड़ रुपए में दिया गया है। सरकार की गणना के अनुसार, इस लिहाज से एक-एक व्यक्ति को सालाना लगभग 1 लाख रुपए की शराब पीनी होगी, जबकि उन इलाकों में 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी बीपीएल के नीचे है। स्पष्ट नज़र आ रहा है कि उक्त दुकानों के ठेकेदारों ने गुजरात में शराब तस्करी के लिए ही इतनी ऊंची बोलियां लगाई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर शराब माफिया से मिलीभगत और संरक्षण देने के आरोप लगाए है। श्री भूरिया का आरोप है कि सरकारी संरक्षण के बिना टेंडर के इतने व्यापक स्तर पर तस्करी तस्करी संभव नहीं है।

सांसद वानखेड़े ने सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति की निरस्त

भोपाल, देशबन्धु। सागर सांसद प्रतिनिधि पर बीना में नाबालिग बच्चों को बेरहमी से पीटने का आरोप लगने के सांसद ने कड़ रुख अख्तियार किया है। सांसद लता वानखेड़े ने सख्ती बरतते हुए अपने सभी प्रतिनिधियों को एक झटके में हटा दिया है। इस संबंध में उन्होंने सागर और विदिशा कलेक्टर को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने सभी सांसद प्रतिनिधियों को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त करने के लिए कहा है। ज्ञात हो शनिवार रात को बीना थाना अंतर्गत नौगांव में एक 17 साल के नाबालिग को 3 आरोपियों ने लाठी डंडे से बुरी तरह पीटा। बीच बचाव करने आई नाबालिग की चचेरी बहन के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की और दोनों को बेसुध होने तक पीटते रहे। मारपीट में बीना से सांसद प्रतिनिधि संतोष ठाकुर भी शामिल था। जब नाबालिगों के परिजन वहां पहुंचे, तो सांसद प्रतिनिधि वहां से भाग गया। इस मामले में बीना थाना पुलिस ने नाबालिगों की रिपोर्ट पर संतोष ठाकुर,गोलू ठाकुर, हरीसिंह ठाकुर, किट्टू ठाकुर और भोला ठाकुर पर मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना के बाद सांसद प्रतिनिधि द्वारा नाबालिगों से मारपीट के बाद जमकर किरकिरी होने पर सांसद लता वानखेड़े नाबालिगों का हालचाल जाना और घटनाक्रम की भी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अपने सभी प्रतिनिधियों को हटाने का फैसला किया।

अखिलेश का भाजपा पर तंज, एक फेज में चुनाव तक नहीं करा पाते

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' और ईवीएम समेत तमाम मुद्दों को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा, 'पहले भी बहुत सारे राजनीतिक दल, संस्थाएं, बुद्धिजीवी, प्रोफेसर, इंजीनियर, वैज्ञानिक समय-समय पर इस बात को उठा चुके हैं कि उन्हें ईवीएम पर अब भरोसा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो बात कही, उसके बाद लोगों का ईवीएम से और भी भरोसा उठ गया। हम लोग रोजाना देखते हैं कि एटीएम से पैसा निकाल लिया जाता है, साइबर क्राइम बढ़ रहे हैं। कोई ऑनलाइन कस्टम, इनकम टैक्स, सीबीआई का फर्जी अफसर बन गया और पैसे लूट लिए। इसके बाद पता नहीं चलता कि पैसा कहां गया। साइबर क्राइम में यूपी नंबर वन है। अगर एक बार पैसा चला जाता है, तो सरकार उसे ढूंढ नहीं पाती है। आए दिन मोबाइल हैक होने की खबर आती है। ऐसे में ईवीएम तो छोटी सी इलेक्ट्रॉनिक मशीन है। अगर ईवीएम पर किसी को भरोसा नहीं है तो बैलेट से वोट करना सबसे अच्छा ऑप्शन है।उन्होंने कहा, 'जो 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की बात कर रहे हैं, वो एक फेज में चुनाव नहीं करा पा रहे हैं।

महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्य भाषा नहीं होगी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में स्कूली पढ़ाई के लिए अब हिंदी अनिवार्य भाषा नहीं होगी। राज्य सरकार ने हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने का निर्णय वापस ले लिया है। शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने कहा कि मराठी अनिवार्य होगी, अंग्रेजी दूसरी भाषा और तीसरी भाषा ऑप्शनल यानी वैकल्पिक होगी। इससे पहले रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने कहा था कि स्टूडेंट्स तीसरी भाषा अपने मन से चुन सकेंगे। हिंदी अनिवार्य नहीं होगी। बता दें फैसला वापस लेने से 6 दिन पहले यानी बुधवार को ही महाराष्ट्र में 1 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी अनिवार्य की गई थी। यह फैसला राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर लागू किया गया था।

देश में भीषण गर्मी को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी

10 राज्यों में अगले 5 दिनों तक तेज गर्मी के साथ लू का अलर्ट

- पश्चिम से लेकर पूर्वोत्तर तक तूफान-बारिश के साथ गिरेंगे ओले

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के ज्यादातर इलाकों को अभी भीषण गर्मी और लू से राहत नहीं मिलने वाली है। पंजाब और हरियाणा से लेकर बंगाल और ओडिशा तक अगले चार से पांच दिन भीषण गर्मी के साथ ही तेज लू चलने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमोत्तर से पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान और भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है। कुछ जगहों पर तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की भी वृद्धि दर्ज की जा सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 25, 26 अप्रैल तक मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में लू चलेगी। 22-25 अप्रैल के दौरान हरियाणा और ओडिशा में और 22-26 के दौरान पंजाब में तीव्र गर्म हवाएं चलने की संभावना है। 23 से 26 अप्रैल के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाके और पश्चिमी राजस्थान में लू चल सकती है। वहीं, 25 और 26 अप्रैल को बिहार और झारखंड में गर्मी का तीव्र प्रकोप देखा जा सकता है। आईएमडी के मुताबिक, 25 अप्रैल तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में मौसम गर्म और आर्द्र रह सकता है। 24 अप्रैल तक मराठवाड़ा, बिहार, झारखंड में भी प्रचंड गर्मी पड़ेगी और उमस बनी रहेगी। 22 और 23 अप्रैल को कोंकण और गोवा, 24 और 25 अप्रैल को मध्य महाराष्ट्र और 22-24 अप्रैल के दौरान गुजरात के दक्षिणी भाग में भी गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में आंधी-तूफान और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 24 और 27 के दौरान राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बारिश के साथ हिमपात होने की भी संभावना है। बीते 24 घंटे के दौरान भी राज्य के किनौर और चांबा में भारी बारिश दर्ज की गई और मैदान इलाकों में हल्की बारिश हुई। शिमला जिले के ऊपरी क्षेत्रों, मंडी, लाहौल-स्पीति, चंबा और कांगड़ा के पालमपुर में ओले गिरे।

इन राज्यों में चढ़ेगा पारा: अगले छह दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि होने की संभावना है। अगले 3 दिनों के दौरान मध्य भारत और गुजरात में अधिकतम तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। वहीं, मध्य भारत अगले 24 घंटे के बाद 6 दिनों के दौरान पारा 2-3 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है। पूर्वी भारत में भी अधिकतम तापमान 4-6 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी.... महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं। फिलहाल सरकारी तौर पर मृतकों की संख्या और पहचान की पुष्टि होना बाकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने टूरिस्ट से नाम पूछा, इसके बाद उसके सिर में गोली मार दी और फायरिंग करते हुए भाग निकले। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली है। मरने वालों में दो विदेशी भी शामिल।

सेना की वर्दी में आए थे.... हरेभरे घास के मैदान गोलियों की तड़तड़ाहट से गूज उठे। घास के मैदानों की साइट पर बनी चाय की दुकानों के पीछे से अचानक आए आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इससे अफरातफरी मच गई। घटनास्थल के कुछ वीडियो सामने आए हैं। चार लोग जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं, जिनमें एक बच्चा भी है, जबकि कुर्सी पर बैठा एक व्यक्ति खून से लथपथ है। वीडियो में दो महिलाएं मदद की गुहार लगाती नजर आ रही हैं। एक स्थानीय उन्हें दिलासा दे रहा है। हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पहलगाम में आतंकी हमले से माहौल तनावपूर्ण हो गया है। सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। ऊंचाई वाला इलाका होने के कारण घायलों को घोड़े वालों की मदद से सड़क तक लाया गया, जहां से उन्हें नौ एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया है।

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने.... मिसाल देखने को मिली है। यूपीएससी 2024 की ऑल इंडिया टॉपर बनीं शक्ति दुबे प्रयागराज की रहने वाली हैं। साइंस बैकग्राउंड से आने वाली शक्ति ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में बीएससी की और फिर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया। उन्होंने पॉलिटिकल साइंस और इंटरनेशनल रिलेशंस को ऑप्शनल सब्जेक्ट चुना। साल 2018 से तैयारी कर रहीं शक्ति ने आखिरकार अपने सपने को साकार किया। दूसरे स्थान पर रहीं हर्षिता गोयल मूल रूप से हरियाणा की हैं, लेकिन कई वर्षों से गुजरात के वडोदरा में रह रही हैं। हर्षिता एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उन्होंने समाज सेवा के लिए अपनी फाइनेंस की दुनिया को छोड़ दिया। गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर इंजीनियरिंग करने वाली मार्गी ने समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना और ऑल इंडिया चौथा स्थान हासिल किया। टेक्निकल बैकग्राउंड के बावजूद समाज से जुड़ाव ने उन्हें इस क्षेत्र में आने की प्रेरणा दी। दूसरे प्रयास में यूपीएससी क्लियर कर कोमल पूनिया ने सहारनपुर जिले का नाम रोशन किया है. कोमल की मेहनत और जज़्बे ने यह दिखा दिया कि लगन और निरंतर प्रयास से कोई भी मंजिल पाई जा सकती है। आयुषी ने 2022 में 188वीं और 2023 में 97वीं रैंक हासिल की थी। इस बार उन्होंने सातवां स्थान पाकर खुद को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। आयुषी के जीवन में पिता का साया बचपन में ही उठ गया था, लेकिन मां की प्रेरणा और अपनी मेहनत से उन्होंने यह कठिन परीक्षा पास की। आईआईटी की तैयारी के लिए दिल्ली आईं, फिर मैकेंज़ी जैसी बड़ी कंपनी में जॉब की और आखिरकार यूपीएससी की राह चुनी। सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के लिए कुल 9,92,599 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 5,83,213 उम्मीदवार वास्तव में परीक्षा में उपस्थित हुए। कुल 14,627 उम्मीदवार लिखित (मुख्य) परीक्षा के लिए योग्य पाये गये। इनमें से 2,845 उम्मीदवार परीक्षा के व्यक्तित्व परीक्षण के योग्य पाए गए।

ग्वालियर की आयुषी ने.... योगेश राजपूत को 540वीं रैंक हासिल हुई है। अशोकनगर आशीष रघुवंशी ने 202वीं रैंक हासिल की है। इसके अलावा भी कई छात्र-छात्राओं का चयन यूपीएसी में हुआ है।

ग्वालियर की रहने वालीं आयुषी बंसल इससे पहले यूपीएससी-2023 में 97वीं और यूपीएससी-2022 में 188वीं रैंक हासिल की थी। आयूषी की मां एलआईसी में काम करती हैं, जबकि उनके पिता का निधन बहुत पहले हो चुका है। वहीं रीवा के रहने वाले रोमिल द्विवेदी के पिता केके द्विवेदी भोपाल सहकारिता विभाग में संयुक्त आयुक्त के पद पर पदस्थ हैं। मंदसौर के गरोठ के रहने वाले ऋषभ चौधरी का चयन भी यूपीएससी में हुआ है। ऋषभ चौधरी ने 28वीं रैंक हासिल की है। रीवा के रोमिल द्विवेदी से ऋषभ सिर्फ एक रैंक पीछे हैं। बताया जा रहा है कि ऋषभ ने कोई कोचिंग नहीं की थी। उन्होंने खुद की तैयारी के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

58वीं रैंक हासिल करने वाले क्षितिज आदित्य शर्मा अरेरा कॉलोनी भोपाल के रहने वाले हैं। इससे पहले क्षितिज का चयन भारतीय राजस्व सेवा में हो चुका था, लेकिन उन्हें आईएएस बनना था। इसके लिए ट्रेनिंग से छुट्टी लेकर तैयारी शुरू की थी। लगातार मेहनत के बाद अब वे आईएएस बनेंगे। क्षितिज की इस सफलता पर परिवार काफी खुश है। इंदौर के योगेश राजपूत ने चौथे अटेम्ट में 540वीं रैंक हासिल की है। इससे पहले योगेश का चयन इंडियन पोस्टल सर्विस के लिए हो चुका था, लेकिन वे इससे ज्यादा खुश नहीं थे। अब यूपीएससी में चयन के बाद वे संतुष्ट हैं। अशोक नगर के आशीष रघुवंशी ने यूपीएससी परीक्षा में 202वीं रैंक हासिल की है। आशीष जिले के डंगौरा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता पुलिस विभाग में एएसआई हैं। इसी तरह इटारसी के मोनू शर्मा ने भी 359वां स्थान हासिल किया है।

विमान दुर्घटना, प्रशिक्षु.... दिल्ली स्थित एक विमानन अकादमी अमरेली हवाई अड्डे से पायलट प्रशिक्षण मुहैया कराती है। स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया और जांच शुरू कर दी है। अग्निशमन अधिकारी एससी गढ़वी ने बताया कि विमान दुर्घटना और आग लगने की सूचना मिलने पर स्थानीय अग्निशमन दल की चार टीमें शास्त्रीनगर पहुंचीं। टीमों ने आग पर काबू पा लिया है।

अमरेली के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पायलट अकेले उड़ान भर रहा था। विमान ने अमरेली हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। खराट ने बताया कि शास्त्री नगर इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई और वह लपटों में घिर गया।

बोलेरो खाई में गिरी, 5.... जिला अस्पताल में 5 अन्य घायलों को दमोह जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दमोह से जबलपुर पहुंचाया गया।

मृतकों में लौंग बाई, हल्की बाई, संपत बाई, गुड्डी बाई और वैजयंती बाई लोधी बहनें थीं। वहीं, रचना उनके भाई कल्याण सिंह की बेटी थी। 8 वर्षीय शिब्बू पिता हरि गुड्डीबाई का नाती था। हादसे में घायल लोग जबलपुर जिले के अलग-अलग गांव के रहने वाले हैं। हादसे में घायल बोलेरो ड्राइवर अंकित लोधी भी इसी परिवार का हिस्सा है। वह राजघाट पौड़ी गांव का रहने वाला है। परिवार के सभी लोग अंकित की बहन की शादी में आए हुए थे। यही से बांदकपुर दर्शन करने गए थे।

कलेक्टर सुधीर कोचर ने हादसे का कारण तेज गति को बताया है। उन्होंने बताया कि महादेव घाट पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत एक पुल बना है। इस पुल के एप्रोच रोड पर आते ही बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, गाड़ी तेज स्पीड के कारण अनियंत्रित हुई।

वहीं पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा कि प्राथमिक तौर पर सामने आया है कि जिस मोड पर हादसा हुआ, वह खतरनाक मोड़ है। वहीं गाड़ी की गति भी ज्यादा थी।

पेयजल आपूर्ति में न रहे.... थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को अवगत कराया कि प्रदेश में गेंहू उपार्जन कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि जब से सरकार ने गेहूं की उपार्जन दर 2600 रुपए प्रति क्विंटल (समर्थन मूल्य 2,425 रूपए तथा बोनस राशि 175 रूपए प्रति क्विंटल) घोषित की है, तब से अब तक 50 लाख 18 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन हो चुका है। अब तक करीब 5.50 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों से गेहूं उपार्जन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने 10 हजार 562 करोड़ रुपए से अधिक उपार्जन राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित कर दी है। उन्होंने कहा कि गेहूं उपार्जन के मामले में हम जल्द ही पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों से भी आगे होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधी सागर अभयारण्य में दो चीतों के पुनर्वास के विषय में मंत्रि-परिषद के सदस्यों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि चीतों के पुनर्वास के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने जो अभूतपूर्व कार्य किए हैं उसके लिए सरकार को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर से सराहना मिल रही है। उन्होंने बताया कि विश्व के इतिहास में पहली बार चीतों का सफल पुनर्वास किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रभाष और पावक दोनों नर चीतों को गांधी सागर अभयारण्य की जलवायु और सहज वातावरण भा गया है। वे दोनों बड़े ही आनंद से अभयारण्य में विचरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर हम मध्यप्रदेश में सभी वन्य प्राणियों के विकास और संवर्धन सहित जरूरी होने पर उनके पुनर्वास के लिए भी हर संभव प्रयास जारी रखेंगे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।